राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,12 मई 2023 वर्ष–6,अंक–107 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बदरीनाथ-केदारनाथ, यमुनोत्री चारों धामों में बढ़ी रौनक

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड चार धाम यात्रा 2023 में पिछले कई दिनों से बाधा बने खराब मौसम के बाद अब तीर्थ यात्रियों को राहत मिली है। पिछले दो दिनों से मौसम साफ होने के बाद बदरीनाथ, गंगोत्री-यमुनोत्री धामों में रौनक बढ़ी है। यूपी, दिल्ली-एनसीआर, एमपी सहित देश के अन्य राज्यों से चारों धामों में जाने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। इसी के साथ ही तीर्थ यात्रियों के लिए उत्तराखंड मौसम पर बड़ा अपडेट भी सामने आया है। उत्तराखंड मौसम पूर्वानुमान में अलर्ट जारी किया गया है। पर्वतीय जिलों में 13 मई से फिर मौसम का मिजाज बदल सकता है। मौसम खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा में रौनक दिखने लगी है। बुधवार के बाद गुरुवार को भी मौसम साफ होने का असर केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री जाने वाले तीर्थयात्रियों पर भी पड़ा। अन्य दिनों की अपेक्षा कहीं ज्यादा यात्री चारों धामों में दर्शन के लिए पहुंचे। साथ ही, यात्रा मार्ग के पड़ावों पर स्थित बाजारों में भी चहल-पहल दिखाई दी। चार धामों के अलावा तीर्थयात्री दूसरे मंदिरों में भी पहुंच रहे हैं। उत्तरकाशी के काशी विश्वनाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं का तांता लग रहा है। गंगोत्री, यमुनोत्री में मौसम अनुकूल होने के बाद तीर्थयात्रियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। यहां बुधवार को धूप खिली तो दर्शन को पहुंचे तीर्थयात्रियों में उत्साह देखने को मिला। 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर्व पर गंगोत्री,यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ चारधाम यात्रा शुरू हुई। 18 दिनों में 2,42,634 श्रद्धालु दोनों धामों में आ चुके हैं। हफ्तेभर गंगोत्री-यमुनोत्री धाम में रोजाना बारिश-बर्फबारी से ठंड बढ़ने के कारण यात्रियों को स्नान-दर्शन के लिए परेशानी उठानी पड़ रही थी। लेकिन, मंगलवार से मौसम अनुकूल होने पर अब तीर्थ यात्रियों की संख्या में इजाफा होता दिख रहा है।

अब 365 दिन की राजनीति करेगी कांग्रेस, कर्नाटक चुनाव से राहुल-प्रियंका ने दिए संकेत

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में तमाम उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद हो चुकी है। हार-जीत का फैसला शनिवार को होगा। कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए यह चुनाव अहम है। आगामी लोकसभा चुनाव पर कर्नाटक चुनाव प्रचार का असर पड़ना लाजिमी है। पर भाजपा के मुकाबले यह चुनाव कांग्रेस के लिए कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। कांग्रेस के लिए यह चुनाव कितना अहम है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राज्य में डेरा डाले हुए हैं। उत्तर प्रदेश के बाद शायद कर्नाटक पहला राज्य है, जहां गांधी परिवार के तीनों सदस्य राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी ने चुनाव प्रचार किया है। स्थानीय नेताओं ने भी प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी।

पिछले कुछ वर्षों में हुए कई राज्यों के चुनाव के मुकाबले कर्नाटक में कांग्रेस ने आक्रामक प्रचार किया है। वहीं, भाजपा रक्षात्मक रही। चुनाव घोषणा पत्र में बजरंग दल के जिक्र को भाजपा ने मुद्दा बनाने में देर नहीं की, पर कांग्रेस आक्रामक रुख अपनाए रही। यह पहली बार है कि पार्टी ने गृहमंत्री के खिलाफ थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

फौरन पलटवार

वर्ष 2014 और उसके बाद लगातार भाजपा भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाकर कांग्रेस पर निशाना साधती रही है। कर्नाटक ऐसा पहला चुनाव है, जहां कांग्रेस ने भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाकर भाजपा को कटघरे में खड़ा किया है। इतना ही नहीं, पार्टी ने प्रधानमंत्री के कांग्रेस पर गाली देने के आरोप और बजरंग बली को मुद्दा बनाने पर पलटवार में भी देर नहीं की।

सीधा संवाद

कर्नाटक चुनाव प्रचार में कांग्रेस ने रैली और रोड शो के साथ मतदाताओं से सीधा संवाद करने में भी कोई कसर नहीं

छोड़ी। राहुल-प्रियंका ने समाज के हर तबके तक चुनावी वादों को पहुंचाने के लिए कई नए तरीके अपनाए। इनमें राहुल गांधी का महिलाओं के साथ सफर करना और प्रियंका गांधी का भाषण रोककर एक व्यक्ति की बात सुनना शामिल है।

भाजपा की तरह राजनीति

कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस काफी हद तक भाजपा की तरह राजनीति करती दिखाई दी। भाजपा की तरफ से उछाले गए मुद्दों का जवाब देने के बजाय कांग्रेस सिर्फ अपनी बात रखती दिखी। इसके साथ कर्नाटक में चुनाव प्रचार खत्म होते ही प्रियंका गांधी वाड्रा ने तेलंगाना में युवा संघर्ष रैली को संबोधित कर कांग्रेस की चुनावी रणनीति में बदलाव के संकेत दे दिए।

इंदिरा अम्मा

तेलंगाना में युवा संघर्ष रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने इंदिरा अम्मा का जिक्र किया। उन्होंने इंदिरा अम्मा का जिक्र कर तेलंगाना से कर्नाटक के लोगों को संदेश देने की कोशिश की। क्योंकि, कर्नाटक में इंदिरा गांधी को इंदिरा अम्मा कहते हैं। इसके साथ उन्होंने यह यकीन भी दिलाया कि इंदिरा अम्मा की तरह वह भी झूठे वादे नहीं करती हैं।

365 दिन की राजनीति-कांग्रेस पर अमूमन यह आरोप लगते रहे हैं कि वह सिर्फ चुनाव के वक्त प्रचार करती है, इसके बाद नेता नजर नहीं आते। पर कर्नाटक के फौरन बाद प्रियंका गांधी के तेलंगाना में प्रचार करने और राहुल गांधी के राजस्थान पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में हिस्सा लेने से पार्टी 365 दिन की राजनीति करती दिख रही है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, कर्नाटक परिणाम के बाद पार्टी चुनावी राज्यों में प्रचार तेज करेगी।

इसलिए जरूरी है जीत

कांग्रेस के लिए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत बेहद जरूरी है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का यह गृह राज्य है। राज्य में पार्टी की जीत के वर्ष 2024 आम चुनावों से पहले सांकेतिक मायने भी हैं। कांग्रेस को आम चुनाव से पहले समान विचारधारा वाली पार्टियों का गठबंधन बनाने में मदद मिलेगी। जीत के बाद पार्टी की भूमिका अग्रणी हो सकती है। चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी एक बस में सफर करते हैं। सफर के दौरान वह महिलाओं से मुफ्त बस और पार्टी की चुनावी गारंटियों के बारे में चर्चा कर वोट देने की अपील करते हैं। बेंगलुरु में राहुल गांधी फूड डिलीवरी करने वाले लोगों के साथ एक रेस्टोरेंट में चाय पीते हुए उनसे चर्चा करते हैं। इसके बाद फूड डिलीवरी बॉय के साथ स्कूटर पर अपने होटल जाते हैं। चुनावी जनसभा के लिए जाते वक्त राहुल गांधी एक बस स्टॉप पर कुछ कॉलेज छात्रों को देखकर रुकते हैं।

स्वर्ण मंदिर परिसर में पांच दिन में तीसरा धमाका, पांच गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर (दरबार साहिब) परिसर में बीती रात फिर से धमाका हो गया। पांच दिन में यह तीसरी घटना है। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बीते शनिवार से हो रहे धमाकों को लेकर पुलिस तथा पंजाब सरकार पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि अब से पहले हुए दो धमाकों की जांच एनआईए तथा एनएसजी भी कर रही हैं। स्वर्ण मंदिर में रोजाना देश विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात करीब 12.30 बजे हुए धमाके के बाद यहां दहशत का माहौल है। पुलिस ने आरोपितों को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया है। प्राथमिक जांच के अनुसार यह धमाका देर रात श्री गुरु रामदास सराय के पास करीब 12:15 से 12:30 के बीच हुआ। घटना के बारे में पता चलते ही पुलिस अधिकारी वहां पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल से धमाके के अवशेष जुटाने शुरू कर दिए हैं। घटनास्थल को चारों तरफ से सील कर दिया गया है। मौके पर पहंचे अमृतसर के पुलिस कमिश्नर नौनिहाल सिंह ने बताया कि पुलिस को रात 12:30 बजे के करीब सूचना मिली कि श्री दरबार साहिब के पास तेज आवाज सुनने को मिली है। पुलिस ने इस बात पर धमाके की आशंका जताई। अंधेरा होने का कारण यह निश्चित नहीं हो पा रहा है कि यह विस्फोट ही है या कोई और कारण है।

फिलहाल फोरेंसिक टीम द्वारा मौके पर जांच की जा रही है। गुरुवार की सुबह भी पुलिस की टीमें मोके पर ही मौजूद थीं। पुलिस जांच जारी है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक की ओर से ट्वीट कर जानकारी दी गई है कि इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि यह लो-इंटेसिटी का विस्फोट था। इसका विस्तृत ब्योरा जल्द ही मीडिया से साझा किया जाएगा।

नंगल की फैक्ट्री में गैस लीक, 35 स्कूली छात्रों समेत कई लोग चपेट में आए, अस्पताल में भर्ती

खरड़। पंजाब के रोपड़ जिला के नंगल शहर में गुरुवार को एक फैक्ट्री से गैस लीक हो गई। जिससे प्राइवेट स्कूल के 30 से 35 छोटे बच्चों समेत कई लोग चपेट में आ गए। इन सभी को गला दर्द और सिर दर्द होने पर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं प्रशासन ने पूरे क्षेत्र को सील कर दिया है।

एहतियात के तौर पर अभी स्कूली बच्चों को सुरक्षित स्थान पर भेजा जा रहा है। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस समेत अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। दूसरे विभागों और स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी बुला ली गई हैं। जिस जगह गैस लीक हुई वहां 300 से 400 लोग हर वक्त

मौजूद रहते हैं।

नंगल में दो बड़ी फैक्ट्रियां हैं पहली पीएसीएल और दूसरी एनएफएल। फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि गैस कहां से लीक हुई है। हादसे के बाद आसपास के गांव के लोग इकट्ठे हो गए और फैक्ट्रियों के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। ??दोनों फैक्ट्री के प्रबंधन के लोग अपना अपना पल्ला झाड़ रहे हैं कि हमारे यहां से गैस लीक नहीं हुई है।

जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर हादसा

यह हादसा रोपड़ जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर नंगल में हुआ। फिलहाल मौके पर राहत कार्य जारी है। इससे पहले हादसे की जानकारी पंजाब के शिक्षा मंत्री मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने ट्वीट कर दी।

उन्होंने लिखा कि हालात को देखते हुए मौके पर क्षेत्र की सभी एंबुलेंसों को रवाना किया है। वह खुद भी वहां पहुंच रहे हैं। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक गैस लीक होने से छोटे बच्चों और कुछ लोगों को गला दर्द सिर दर्द आदि की समस्या पेश आई है, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

एटा में भीषण सड़क हादसा, स्कार्पियो बाइक से टकराकर दुकान में घुसी, 4 की मौत

घायलों को मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया गया है। गुरुवार की सुबह करीब 8:30 बजे स्कॉर्पियो एटा से दिल्ली की ओर जा रही थी। कार कस्बा पिलुआ में पहुंची थी कि अचानक एक बाइक सवार से टकराकर दुकान में घुस गई।

एटा। एटा में भीषण सड़क हादसा हो गया है। स्कॉर्पियो बाइक से टकराकर दुकान में जा घुसी। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। एक महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। घायलों को मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया गया है। गुरुवार की सुबह करीब 8:30 बजे स्कॉर्पियो एटा से दिल्ली की ओर जा रही थी। कार कस्बा पिलुआ में पहुंची थी कि अचानक एक बाइक सवार से टकराकर दुकान में घुस गई। हादसा होते देख आसपास के लोग एकत्रित हो गए। हादसे की आवाज काफी तेज थी। आसपास लोगों ने घायलों को मेडिकल भर्ती कराया। गया चिकित्सकों में चार लोगों को मृत घोषित कर दिया रेफर किया गया। मरने वालों में महिपाल पुत्र टीकम सिंह निवासी गदुआ थाना पिलुआ, लोकेंद्र पुत्र सुनील कुशवाह निवासी रोहताश नगर दिल्ली एवं उसकी पत्नी मीरा की मौत हो गई, जबकि एक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। संभावना है मृतक स्कॉर्पियो में ही सवार था।

सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल सरकार को मिली बड़ी जीत, अफसरों पर मिल गया कंट्रोल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण को लेकर विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कहा है कि सर्विसेज पर दिल्ली सरकार का अधिकार होगा। संवैधानिक पीठ के फैसले को पढ़ते हुए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि राज्यों के पास भी शक्ति है लेकिन राज्य की कार्यकारी शक्ति संघ के मौजूदा कानून के अधीन है। यह सुनिश्चित करना होगा कि राज्यों का शासन संघ द्वारा अपने हाथ में न ले लिया जाए। सर्वोच्च न्यायालय का मानना है कि यदि प्रशासनिक सेवाओं को विधायी और कार्यकारी डोमेन से बाहर रखा जाता है, तो

मंत्रियों को उन सिविल सेवकों को नियंत्रित करने से बाहर रखा जाएगा जिन्हें कार्यकारी निर्णयों को लागू करना है।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बेंच के सदस्यों में जस्टिस एमआर शाह, जस्टिस कृष्ण मुरारी, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा भी शामिल हैं। बेंच ने केंद्र और दिल्ली सरकार की ओर से क्रमशः सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी की 5 दिन दलीलें सुनने के बाद 18 जनवरी को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। संविधान पीठ का गठन, दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर केंद्र और दिल्ली सरकार की विधायी और कार्यकारी शक्तियों के दायरे से जुड़े कानूनी मुद्दे की सुनवाई के लिए किया गया था। पिछले साल 6 मई को देश की सबसे बड़ी अदालत ने इस मुद्दे को 5 न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेज दिया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद पर विराम लग सकता है।

क्या है पूरा विवाद

2014 में आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने के बाद दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर विवाद होने लगा। मुद्दा सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। 14 फरवरी 2019 को दो जजों की बेंच ने फैसला सुनाया तो दोनों की राय अलग-अलग थी। एक ने सेवाओं पर दिल्ली सरकार के नियंत्रण को सही बताया तो दूसरे जज का मानना था कि यह अधिकार दिल्ली सरकार का है। इसके बाद मुद्दे को तीन जजों की पीठ के पास भेजा गया। बाद में केंद्र सरकार की अपील के बाद मुद्दे को मई 2021 में संवैधानिक पीठ के पास भेजा गया।

स्वस्थ और शिक्षित नागरिक ही करते हैं उन्नत राष्ट्र का निर्माण-गहलोत

जयपुर/पुणे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि स्वस्थ और शिक्षित नागरिक ही उन्नत राष्ट्र का निर्माण करते हैं और राजस्थान सरकार स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र पर विशेष ध्यान दें रही है।

श्री गहलोत बुधवार को महाराष्ट्र के पुणे में भारती विद्यापीठ पुणे के 60वें स्थापना दिवस समारोह एवं मेडिकल कॉलेज विस्तार भवन के शिलान्यास के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज के विस्तार भवन की आधारशिला रखी और इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार का डिजिटल उद्घाटन महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नरवेकर ने किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री गहलोत ने भारती विद्यापीठ के संस्थापक पतंगराव कदम के व्यक्तित्व को याद करते हुए कहा कि नौजवान पीढ़ी के लिए उनका जीवन प्रेरणादायी है।

श्री गहलोत ने कहा कि राजस्थान सरकार शिक्षा के चहुंमुखी विकास के लिए संकल्पित है। बेहतर शिक्षा के लिए हरसम्भव प्रयास और नवाचार किए जा रहे हैं। प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम, एम्स, ट्रिपल आईटी, निफ्ट, एनआईए, आरयूएचएस, लॉ, एग्रीकल्चर, स्पोर्ट्स एवं पुलिस यूनिवर्सिटी जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थान स्थापित हो चुके हैं। साथ ही अब प्रदेश में विश्वविद्यालयों की संख्या 92 हो गई है। पिछले चार वर्षों में ही 303 नए महाविद्यालय खोले जा चुके हैं। इनमें 130 गर्ल्स कॉलेज भी शामिल हैं। अब प्रदेश के युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना में 500 विद्यार्थियों को विदेश में निःशुल्क शिक्षा जैसे नवाचारों से राज्य में शिक्षा का स्वरूप बदल गया है। इसके अतिरिक्त अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत 30 हजार युवाओं को निःशुल्क कोचिंग करवाई जाती है, जिससे उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए बेहतरीन अवसर मिल रहे हैं।

श्री गहलोत ने कहा कि वर्तमान समय में अंग्रेजी भाषा के महत्व को समझते हुए राजस्थान सरकार द्वारा महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोले गए हैं, जिनमें विद्यार्थी अंग्रेजी भाषा में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। श्री गहलोत ने पहला सुख निरोगी काया के मूलमंत्र पर जोर देते हुए कहा कि लोगों का स्वास्थ्य अच्छा होगा तो देश का हैप्पीनेस इंडेक्स भी ठीक होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्राथमिकता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से आमजन को महंगे इलाज की चिंता से मुक्ति मिली है। कानून बनाकर स्वास्थ्य का अधिकार देने वाला राजस्थान देष का इकलौता राज्य है। इससे आमजन को हर परिस्थिति में इलाज मिलना सुनिष्चित हुआ है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोला जा रहा है। 25 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा तथा सरकारी अस्पतालों में सम्पूर्ण इलाज निःशुल्क मिलने से स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च शून्य हो गया है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को जीवन जीने की न्यूनतम आवश्यकता की पूर्ति के लिए राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना लागू की गई, जिसके तहत न्यूनतम 1000 रुपए पेंशन दी जा रही है। राज्य के कर्मचारियों को सुरक्षित भविष्य देने के लिए आलोचनाओं के बावजूद ओल्ड पेंशन स्कीम भी राज्य सरकार द्वारा अपनाई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में शिक्षा का अधिकार, खाद्य सुरक्षा, सूचना का अधिकार तथा रोजगार की गारंटी जैसे कानून बनाकर देश के नागरिकों को मजबूत किया गया। उसी तरह वर्तमान केन्द्र सरकार को भी देश में एक समान राइट टू सोशल सिक्योरिटी और राइट टू हैल्थ कानून लागू करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

उत्साहजनक मतदान

कर्नाटक अपने मतदान से हमेशा यह सिद्ध करता आया है कि यह जागरूक नागरिकों का चमकदार प्रदेश है। मतदान के आंकड़े अंतिम समय तक अपडेट किए जाते हैं, लेकिन शाम के पांच बजे तक ही मतदान 65.69 प्रतिशत को पार कर चुका था। कर्नाटक में सुबह नौ बजे तक 8.26 प्रतिशत मतदान हो चुका था, मतलब बड़ी संख्या में वहां लोगों ने दिन के पहले कार्य के रूप में मतदान को प्राथमिकता दी है। दोपहर ढलने से पहले ही करीब आधे लोग वहां मतदान कर चुके थे। बेंगलुरु के मतदाताओं में भी इस बार खूब उत्साह दिखा है। कर्नाटक में कुल 224 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान एक ही दिन में संभव हुआ है, तो यह भी इस राज्य की उपलब्धि ही है। उन राज्यों और उनके प्रशासन को कर्नाटक की ओर जरूर देखना चाहिए, जहां एकाधिक चरणों में मतदान की जरूरत पड़ती है और जहां एकाधिक चरणों के बावजूद मतदान शांतिपूर्वक नहीं हो पाता। कर्नाटक जैसे सजग राज्य दूसरों के लिए प्रेरणा हैं। यहां नेताओं या राजनीतिक पार्टियों को किसी भी तरह की हिंसा या विवाद का सहारा लेने में जो संकोच होता है, इससे यहां लोकतंत्र की परिपक्वता का भी पता चलता है। काश! कर्नाटक की तरह ही तमाम राज्यों में एक ही दिन में शांतिपूर्वक मतदान मुमकिन हो पाता, तो समय और संसाधन की भी खूब बचत होती। कर्नाटक में ज्यादा मतदान पर सबकी निगाह रहेगी, इसका विश्लेषण भी आने वाले दिनों में होगा। खासतौर पर महिला और युवा मतदाताओं की मर्जी का आकलन किया जाएगा। अगर हम याद करें, तो पिछले विधानसभा चुनाव 2018 में कर्नाटक में 71.13 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो 1952 के विधानसभा चुनावों के बाद से राज्य में सबसे अधिक मतदान था। वैसे एक बात यह भी गौर करने की है कि कर्नाटक में आबादी ज्यादा नहीं है और 5.3 करोड़ मतदाता हैं। सहजता से मतदान या एक दिन में मतदान शायद कम आबादी की वजह से भी संभव है। देश की बढ़ती आबादी के बीच कम आबादी वाले राज्यों के भी अपने फायदे हैं। मतदान प्रतिशत की तुलना करें, तो उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में पिछली बार 61 प्रतिशत के करीब मतदान हुआ था, जबकि बिहार विधानसभा चुनाव में पिछली बार करीब 57 प्रतिशत मतदान हुआ था। ऐसे में, कर्नाटक का मतदान वाकई आकर्षक और अनुकरणीय है। अब 13 मई को नतीजों पर सबकी निगाह होगी। एग्जिट पोल के जो नतीजे आए हैं, उनमें बहुत स्पष्टता नहीं है। हार-जीत का अंतर इस बार भी कम ही रहेगा। नतीजे किसी के भी पक्ष में जा सकते हैं और त्रिशंकु विधानसभा की भी स्थिति बन सकती है। ऐसे में, जनता दल सेकुलर का महत्व बहुत बढ़ जाएगा। क्या भाजपा और कांग्रेस के बीच लोग बड़े पैमाने पर कोई अंतर नहीं कर पा रहे हैं? भाजपा से नाउम्मीद लोगों की संख्या भी ठीकठाक है, तो कांग्रेस के खिलाफ भी मतदान हुआ है। दोनों राष्ट्रीय पार्टियों को आत्म-समीक्षा करनी चाहिए। भ्रष्टाचार, कमजोर शासन, डबल इंजन, रोजगार, विकास जैसे जो मुद्दे रहे हैं, उनकी भी जरूर समीक्षा होगी। धर्म और जाति का भी समावेश वहां खूब हुआ है। कर्नाटक जीतने के लिए भाजपा ने भी खूब जोर लगाया और कांग्रेस की ओर से भी कोई कसर नहीं छूटी, लेकिन दोनों के लिए कर्नाटक कांटे का सवाल है। सर्वेक्षणों पर अगर जाएं, तो आज किसी की भी जीत सुनिश्चित नहीं है, पर हार हो या जीत, दोनों स्थितियों में राष्ट्रीय स्तर पर सबक व संदेश मिलना तय है।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सेहत पर भारी है खाना जो बाजारी

देविंदर शर्मा

स्वयं मधुमेह का रोगी होने के कारण एक नियम बना रखा है कि खाने-पीने की कोई वस्तु खरीदने से पहले लेबल में दी जानकारी पढ़ता हूं। जाहिर है, सबसे पहले यही देखता हूं कि चीनी कितनी मिलाई गई है। इसका अर्थ यह कि सुपर-मार्किट में रखे जूस, शरबत, माल्ट आधारित पेय, प्रसंस्कृत अनाज जैसे कि दलिया या ओट्स, चॉकलेट, टॉफियां और सुगंधित दही इत्यादि पदार्थ- जिनमें चीनी काफी मात्रा में मिलाई होती है- यह सब मेरे लिए अछूत हैं। धीरे-धीरे खाद्य पदार्थ में मौजूद उन अवयवों की जानकारी को लेकर कुछ और जिज्ञासु होने लगा हूं, जिनके बारे में अधिक जानकारी नहीं। मेरी सदा यही कोशिश रहती है कि अपेक्षाकृत कम बाहरी अवयव और प्रिजर्वेटिव मिलाए खाद्य वस्तुएं ही खरीदूं। आजकल सुपरमार्किटों की शेल्फें परम-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और पेय के पैकटों से लदी पड़ी होती हैं। मुझे अभी भी यह पक्का नहीं है कि यह प्रयास मुझे मधुमेह के दुष्प्रभावों से बचाने में कितने मददगार रहे हैं, लेकिन समझता हूं कि किसी सामान्य उपभोक्ता से कुछ अधिक जानकार रहने से फर्क तो पड़ता ही है। तथ्य है कि अमेरिका में प्रचलित खाद्य वस्तुओं में लगभग 73 फीसदी वह हैं जो परम-प्रसंस्कृत श्रेणी में आती हैं और यूरोप में यह आंकड़ा करीबन 60 प्रतिशत है। जरा-सी अधिक सावधानी बरतने से उपभोक्ता को काफी फायदा हो सकता है। यू-ट्यूब पर बहुत-सी वीडियो बताती हैं कि चीनी हमारे स्वास्थ्य के लिए कितनी घातक है, यहां तक कि चीनी को छद्म नाम देकर मिलाया जा रहा है। लेकिन पहले यह जान लेते हैं कि परम प्रसंस्कृत खाद्य असल में है क्या। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के एक ब्लॉग में इसकी परिभाषा बताई गई है 'ज्यादातर यह खाद्य उत्पाद अलग से मिलाए अवयव, जैसे कि चीनी, नमक, वसा, स्टार्च, कृत्रिम रंग, प्रिजर्वेटिव्स आदि मिलाकर बनाए जाते हैं।' सुपरमार्किट में मिलने वाली अधिकांश वस्तुओं में इनमें कुछ अवयव तो जरूर होते हैं। मैं तो यही कहूंगा कि पैकेट की चमक-दमक और लुभावनेपन से वशीभूत होकर खरीदारी करने से पहले लेबल पढ़ने की आदत डालें। आखिरकार अध्ययन बताते हैं कि परम-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के सेवन में महज 10 फीसदी की बढ़ोतरी होने से स्तन कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। इसी तरह, ब्रोमिनेटेड वेजिटेबल ऑयल का संबंध थॉइरॉयड बीमारी की प्रत्येक किस्म से जोड़ा जाता है। जो लोग कुछ अधिक जानना चाहते हैं, उन्हें 'टू-फूड टेक' नामक वेबसाइट पर उपलब्ध डाटाबेस से विस्तृत जानकारी पाने का सुझाव देना चाहूंगा। वहां पर अमेरिकी बाजार में प्रचलित खाद्य उत्पादों के 50000 से ज्यादा वस्तुओं का लेखाजोखा दिया हुआ है। किसी उत्पाद को बनाने के दौरान प्रसंस्करण कितने स्तर पर हुआ है, आप इसका तुलनात्मक अध्ययन कर सकते हैं। आपको कौन-सी खाद्य वस्तु चुननी चाहिए, वहां पर दी जानकारी वास्तव में एक मार्गदर्शक बन सकती है। अब यदि आप कहें कि यह डाटाबेस तो अमेरिका का है, तो बताना चाहूंगा कि इनमें बहुत से उत्पाद भारत में भी आयात होते हैं या फिर इनके भारतीय प्रतिरूप बनकर बिक रहे हैं, यानी हमारे यहां भी उतना ही परम-प्रसंस्करण किया जा रहा है। जो भी है, यह डाटाबेस किसी खाद्य वस्तु के लेबल पर तकनीकी शब्दों में दी जानकारी का असल अर्थ जानने में सहायक है। यहां मुझे स्वास्थ्य मार्गदर्शक और सोशल मीडिया पर काफी प्रभाव रखने वाले रेवंत हिमतसिंगका और बहुराष्ट्रीय एवं महाकाय कैडबरी के बीच हुआ हालिया विवाद याद आ रहा है। रेवंत ने कुछ दिनों पहले इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कैडबरी के लोकप्रिय उत्पादन बोर्नविटा के स्वास्थ्य-वर्धन संबंधी दावों की बखिया उधेड़ दीं। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर आग की तरह फैली और अकेले इंस्टाग्राम पर ही 1.2 करोड़ लोगों ने इसको देखा। बाद में इसको ट्विटर और लिंक्ड-इन जैसे सोशल मंचों पर भी साझा किया गया। लेकिन जब रेवंत को कैडबरी की ओर से बड़े वकीलों वाली फर्म का कानूनी नोटिस मिला तो उन्होंने उक्त पोस्ट्स हटा लीं और कंपनी से सार्वजनिक माफी भी मांग ली। इस बाबत रेवंत ने कहा 'मैं उक्त वीडियो बनाने के लिए कैडबरी से माफी मांगता हूं। मेरी योजना या नीयत किसी भी ट्रेडमार्क या कंपनी को बदनाम करने की नहीं थी।' ठीक है उन्हें यह करना पड़ा, लेकिन सोशल मीडिया पर 'फूड फार्मर' नामक साइट चलाने वाले रेवंत के लिए एक बहुराष्ट्रीय खाद्य कंपनी से बिना शर्त माफी मांगना क्या वाकई सही है। यह विवाद यहीं खत्म नहीं हो जाता। आखिरकार, कोई शख्स कानून-सेवा देने वाली किसी बड़ी कंपनी से लंबे खिंचने वाले मुकदमे में क्यों उलझना चाहेगा। डिलीट की वीडियो में रेवंत ने दिखाया था 'उनकी 100 ग्रा. बोर्नविटा सामग्री में 50 ग्रा. तो चीनी है। मूलत:, आधा भाग केवल चीनी है।' हालांकि कैडबरी का रटा-रटाया जवाब था 'बोर्नविटा वैज्ञानिक ढंग से तैयार एक यौगिक है, जिसके घटक उपयोग के लिए मान्यता प्राप्त हैं और सभी अवयव पैकेट के लेबल में दर्शाए गए हैं।' रेवंत की पोस्ट के बाद मीडिया पर एक तगड़ी बहस छिड़ गई। मुझे खुशी है कि मीडिया की अनेकानेक हस्तियों, बहुत से मेडिकल डॉक्टर और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों ने कैडबरी कंपनी द्वारा एक शख्स को कानूनी हथकंडों से चुप कराने के ढंग की भर्त्सना की है, जबकि वे इस तथाकथित शक्तिप्रदाता पेय के बारे में बृहद जागरूकता बना रहे थे। इतना ही नहीं, इन विशेषज्ञों ने सामग्री में बताए घटकों की पौष्टिकता को लेकर किए दावों को भी चुनौती दे डाली। वास्तव में, यह विवाद हमारे देश के खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रतिष्ठान के ढुलमुल रवैये पर अंगुली उठाता है, जाहिर है इस विषय पर उससे काफी जवाब-तलबी बनती है। रिपोर्टें बताती हैं कि विभाग अब यह नियम बनाने की जुगत में है कि किसी को उद्योगों के कामकाज या उत्पाद पर सवाल उठाने से पहले अपनी शैक्षणिक योग्यता सिद्ध करनी होगी। यह बहुत ही गलत बात है। चूंकि प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बहुत बड़ी तादाद में लोग करते हैं, लिहाजा हर किसी को कंपनी के दावों पर सवाल उठाने का हक है। जो भी है, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में चीनी की मात्रा को लेकर आ रहे नित नए सुबूतों का असर यह रहा कि मेक्सिको पहला ऐसा देश है जिसने 2014 में चीनी-युक्त पेय पर 10 प्रतिशत कर लगाया है। कुछ अध्ययन बताते हैं कि इससे चीनी-युक्त पेय की बिक्री में एक साल के भीतर लगभग 9.7 प्रतिशत की कमी आई। इसके बाद यूके ने भी अप्रैल, 2018 में इसी तरह का टैक्स लगा दिया, यह निर्णय चीनी उद्योग के बड़े खिलाड़ियों द्वारा की गई तगड़ी लॉबिंग के बावजूद लिया गया। बिक्री में कमी होने और इसका असर मोटापा-ग्रस्त लोगों की बढ़ती तादाद थामने पर क्या रहा, इस पर कई रिपोर्टें आई हैं। एकदम हाल में, ब्राज़ील ने एक नया कानून पारित किया है जिसके तहत उन उत्पादों की ब्रिकी, विपणन और वितरण को प्रतिबंधित किया गया है, जिससे स्कूली बच्चों में मोटापा बढ़ता हो और परम-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ इसी श्रेणी में आते हैं। मुझे समझ नहीं आता कि भारत में भी चीनी युक्त पेय पदार्थों पर 'चीनी-कर' क्यों नहीं लगाया जाता। ठीक इसी समय टेलीविजन पर दिखाए जाने वाले उन विज्ञापनों को रोका जाए जो बच्चों को विशेष रूप से निशाना बनाकर जंक फूड के सेवन को उकसाते हैं। ऐसा मुल्क, जिसको लेकर अनेक माहिरों को डर है कि कहीं विश्व की मधुमेह-राजधानी न बन जाए, अब तक तो कठोर नियम और नियामक तंत्र अपनी जगह होना चाहिए था। यानी उन सितारों और मशहूर हस्तियों पर भी आर्थिक दंड और सजा देने की घोषणा हो, जो जाने-अनजाने में ऐसे उत्पादों के विज्ञापनों में आकर इसके प्रचार-प्रसार का हिस्सा बनते हैं। हमारी छोटी और युवा पीढ़ी को बचाने का सबसे बेहतर उपाय है कि उन्हें जंक-फूड की आदत न डले। जैसा कि कहावत है 'बचपन से ही सांचे में ढाला जाए', इस बाबत मुझे जानी-मानी पौष्टिकता विशेषज्ञ रूजुता दिवेकर के विचार बहुत भाए, जब उन्होंने मां-बाप को सलाह दी कि चाहे यह पहली बार हो या हर बार, जब भी बच्चे जंक फूड मांगें, उन्हें दृढ़ता से न कहना सीखें। ठीक इसी वक्त, लोगों को घर का बना भोजन खाने को प्रोत्साहन देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस विषय पर ज्यादा से ज्यादा लोगों को बात करनी चाहिए। देश में फलती-फूलती सेवा-प्रदाताओं की 'घर पर डिलीवरी' वाली सुविधा से न बहकें। खान-पान का असल उत्सव और आनंद तभी है जब आप घर पर बनाए-खाएं। यदि हमें समाज को जीवनशैली जनित रोगों से बचाना है तो युवा अभिभावकों के दिमाग में इस किस्म की बात बैठाना एकदम जरूरी है। उम्मीद है मां-बाप सुन रहे होंगे।

लेखक कृषि एवं खाद्य मामलों के विशेषज्ञ हैं।

कर्नाटक के बाद मध्यप्रदेश में रेस

(लेखक- राकेश अचल)

एक्जिट पोल पर यकीन नहीं करना चाहिए,जनादेश कुछ भी हो सकता है ,लेकिन कर्नाटक के नाटक का पटाक्षेप हुआ सा लगता है .यवनिका के पीछे से जो आवाजें आ रहीं हैं वे बजरंगबली की नहीं हैं. कर्नाटक के बाद अब रेस होना है मध्यप्रदेश में ,राजस्थान में ,छत्तीसगढ़ में .लेकिन आज हम मध्यप्रदेश की बात करते हैं ,क्योंकि मध्यप्रदेश में एक पिता अपने बेटे को सत्ता के शिखर तक पहुंचाने के लिए दिन-रात एक किये हुए है .

मध्यप्रदेश में सत्ता का संग्राम करनाक की ही तरह रोचक होने वाला है,क्योंकि यहां राजस्थान और छग से अलग परिदृश्य है .मध्यप्रदेश में कांग्रेस की दशा घायल शेर जैसी है.उस शेर जैसी जिसके मुंह से मांस का टुकड़ा छीन लिया गया हो और बेचारा कुछ न कर पाया हो . कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के लिए इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा के चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न बने हुए हैं .

मध्यप्रदेश में अब न कांग्रेस पहले वाली कांग्रेस है और न सत्तारूढ़ भाजपा पहले जैसी भाजपा .कांग्रेस की सरकार बनवाने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया अब भाजपा का महल रोशन कर रहे हैं ,जबकि कांग्रेस में सारा दारोमदार कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने अपने कन्धों पर ले रखा है .कमलनाथ को अपनी प्रतिष्ठा बचाना है और अपमान का बदला लेना है जबकि दिग्विजय सिंह को अपने बेटे जयवर्द्धन को सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाना है .दोनों के लक्ष्य साफ़ हैं और इनकी राह में अब कोई रोड़ा भी नहीं है .

पिछले तीन साल से सत्तारूढ़ भाजपा भी अब पहले जैसीई भाजपा नहीं रही. भाजपा तो मध्यप्रदेश में 2018 में ही जनता द्वारा खारिज की जा चुकी थी,लेकिन अब तीन साल जबरन सत्ता में रहने के बाद उसकी दशा 2018 से भी ज्यादा खराब हो गयी है .2018 में शिवराज बनाम महाराज था लेकिन 2023 में शिवराज और महाराज एक ही मंच पर हैं .महाराज के भाजपा में शामिल होने से भाजपा मजबूत होने के बजाय और कमजोर हो गयी .इसका ताजा उदाहरण है की भाजपा के दिग्गज नेता रहे पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के पुत्र और पूर्व मंत्री दीपक जोशी भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हो गए .

सत्तारूढ़ भाजपा में असंतोष की गाजर घास चारों और फ़ैल चुकी है. असंतुष्ट नेता अपने हिस्से का एक पौंड गोश्त मांग रहे हैं और न देने पर दीपक जोशी बनने की परोक्ष तथा प्रत्यक्ष धमकियां भी दे रहे हैं .मतलब साफ़ है की भाजपा को विधानसभा चुनाव लड़ने से पहले अपने आपसे लड़ना पडेगा .यानि भाजपा के लिए वर्ष 2023 का विधानसभा चुनाव वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव से भी ज्यादा कठिन चुनाव है.

लौटकर आते हैं कांग्रेस पर. कांग्रेस में कमलनाथ ने स्पष्ट कार्यविभाजन कर दिया है. उनका कोई प्रतिद्वंदी नहीं है. वे अपने ढंग से काम कर रहे हैं. कमलनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विही सिंह को संगठन की कमान सौंप दी है .तोड़फोड़ और प्रबंधन का जिम्मा उन्होंने अपने कन्धों पर लिया है .टिकिट वितरण में भी भी उन्हें किसी की नहीं सुनना .जो जीतने लायक होगा टिकिट पायेगा और नहीं होगा उसे जाना ही होगा ,कमलनाथ के स्वभाव को समझने और जान्ने वाले पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह चुपचाप अपने मिशन में लग गए हैं .दिग्विजय सिंह पूरे प्रदेश में अपने बेटे जयवर्धन के साथ विधानसभा क्षेत्रों का द्वारा कर रहे हैं .

दरअसल दिग्विजय सिंह की मुहीम कांग्रेस की सत्ता में वापसी के साथ ही अपने बेटे को सत्ता के शीर्ष पर पहुंचाने की है .वे इस खेल में माहिर हैं. कांग्रेस की सरकार में भी उन्होंने अपने बेटे को पहली बार में ही केबिनेट स्तर का मंत्री बनवा लिया था ,और इसके लिए कितने नियम तोड़े गए थे,ये बताने की जरूरत नहीं है. दिग्विजय सिंह जानते हैं की 2023 के विधानसभा चुनाव के बाद भले ही कमलनाथ मुख्यमंत्री बन जाएँ किन्तु वे ज्यादा दिन ये जिम्मेदारी निभाएंगे नहीं और अंततः वे पाने बेटे को आगे बढ़ा सकते हैं .कुछ लोगों का मानना है की 2018 में कांग्रेस की सरकार को बचाया जा सकता था लेकिन उसे जानबूझकर कुर्बान किया गया ताकि दिग्विजय में कोई व्यवधान न आये ,और ज्योतिरादित्य सिंधिया बाहर जाए .

दिग्विजय संघ की ही तरह भाजपा और कांग्रेस के तमाम शीर्ष नेताओं में अपने बच्चों के राजनीतिक भविष्य को लेकर फिक्रमंदी है .हर कोई चाहता है की इस बार के विधानसभा चुनाव में उनके बच्चे कम से कम विधायक तो बन ही जाएँ. केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इस बार अपने बेटे आर्यमन को चुनाव मैदान में उतारना चाहते हैं,लेकिन वे विधानसभा के रस्ते राजनीति में आएंगे या लोकसभा के रस्ते ये अभी स्पष्ट नहीं है .केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर अपने बेटे देवेंद्र प्रताप सिंह के लिए और भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष प्रभात झा आपने बेटे तुष्मुल झा के लिए चिंतित हैं .पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह अपने बेटे के लिए तो स्थानीय सांसद विवेक शेजवलकर अपने बेटे के लिए कुर्बानियां देने को तैयार दिखाई देते हैं .

कर्नाटक के विधानसभा चुनाव परिणाम आते ही मध्यप्रदेश में परिदृश्य साफ़ हो जाएगा. राजस्थान और छग में स्थितियां साफ़ दिखाई दे रही हैं .वहां जो होना है सो लगभग तय है .इसलिए भाजपा को सबसे ज्यादा फ़िक्र मध्यप्रदेश की है .मध्यप्रदेश देश में भाजपा की सरकार बनवाने वाले प्रदेशों में से एक प्रमुख प्रदेश है.यहां की लोकसभा की 29 सीटों में से 28 भाजपा के पास हैं ,लेकिन यदि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन गयी तो भाजपा के लिए 2024 के आम चुनाव में मध्यप्रदेश से अपने लिए ज्यादा हासिल करना कठिन हो जाएगा .

मध्यप्रदेश में भाजपा के सामने सत्ता का एक अनार है और सौ बीमार हैं जबकि कांग्रेस में ऐसी दशा नहीं है. कांग्रेस में स्पष्ट है कि सरकार बनने पर कौन मुख्यमंत्री बनेगा ? पिछले विधानसभा चुनाव में महाराज के हाथों निबट चुके मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को इस बार कौन निबटायेगा ये बताने की जरूरत नहीं है .चौहान की भी चिंता दुसरे नेताओं की तरह अपने बेटे को राजनीति में स्थापित करने की है .यानि इस बार का विधानसभा चुनाव पिछले चुनावों से बिलकुल अलग दिखाई देगा .देखना होगा कि कौन सा पिता अपने बेटे के लिए जमीन हासिल कर पाता है और कौन सा नहीं ?

श्र राकेश अचल/ईएमएस

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है।)

कर्नाटक चुनाव परिणाम को स्वीकार करे, भाजपा और कांग्रेस

(लेखक- सनत जैन)

कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के बीच काफी तल्खी देखी गई। दोनों ही पक्षों ने एक दूसरे के ऊपर तरह तरह के आरोप लगाए। चुनाव जीतने के लिए वह सब किया,जो नैतिक दृष्टि से सही था,या अनैतिक था।युद्ध और प्यार में सब जायज है। जीत के बाद उसकी स्वीकार्यता सभी को आनंद का अनुभव कराती है। क्योंकि उसमें आशा की एक नई किरण और भरोसा होता है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव का मतदान हो गया है। मीडिया में एग्जिट पोल को लेकर यह बताया जा रहा है, कि कांग्रेस स्पष्ट बहुमत के करीब है। 13 तारीख को परिणाम भी सामने आ जाएंगे। जो भी परिणाम आते हैं। उसे दोनों पक्षों को स्वीकार करते हुए आम जनता की भलाई के लिए काम करना चाहिए। हर जीत और हर हार, हमारे लिए एक सबक की तरह होती है। जो हमें बहुत कुछ सिखाती है। पिछले कुछ वर्षों में यह देखने में आता है, सत्ता में बने रहने के लिए राजनीतिक दल और उससे जुड़े हुए संगठन आसानी से परिणामों को स्वीकार नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण स्थितियां दिनोंदिन खराब होती हैं। समाज में बिखराव और उत्तेजना आती है।कुछ माह पूर्व दिल्ली नगर निगम के चुनाव हुए थे। वहां पर जनता ने परिवर्तन पर मुहर लगाई थी। पिछले 15 वर्षों से नगर निगम में एक ही पक्ष का शासन था। पराजय के बाद हार को स्वीकार नहीं कर पाना और सत्ता हस्तातरंण को लेकर इस तरह की राजनीतिक कुश्ती कई महीनों तक चलती रही। महापौर पद और समितियों के चुनाव नहीं हो पाए। दोनों पक्षों को न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। इसकी प्रतिक्रिया जनता के बीच में अच्छी नहीं हुई। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता का आना जाना और परिवर्तन, लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। आम जनता के मन में भी परिवर्तन को लेकर एक नई आशा का जन्म होता है। यह सामाजिक व्यवस्था के लिए बहुत आवश्यक है। केंद्र एवं राज्यों में पिछले कई वर्षों से भाजपा लगातार सत्ता में है। सत्ता की कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। उस जिम्मेदारी का करके ही जनमानस के बीच राजनीतिक दल विश्वास पैदा कर पाते हैं। 1977 में इंदिरा गांधी की लोकसभा के चुनाव में करारी पराजय हुई थी। चुनाव परिणाम पूरे आ पाते,उसके पहले ही इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजकर, नई सरकार के गठन का रास्ता साफ कर दिया था। यह हमारा इतिहास है। आपातकाल जैसे आरोपों से घिरी हुई इंदिरा गांधी केवल इसी कारण 1980 के लोकसभा चुनाव में फिर सत्ता हासिल कर पाई। क्योंकि उन्होंने एक लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास जताया था। इसके पहले भी कई बार सत्ता में परिवर्तन हुए। लोकप्रिय प्रधानमंत्री अटल जी की सरकार 1 मत से गिरी थी। उन्होंने लंबे समय तक प्रधानमंत्री का पद धारण किया। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसे दर्जनों उदाहरण है। राज्य ओर केंद्र में सत्ता का हस्तानांतरण जब जब,हुआ दोनों पक्षों ने बड़ी शालीनता के साथ स्वीकार कर आगे कदम बढ़ाए। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह की राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ओर टकराव देखने को मिल रहा है। परिणामों की स्वीकार्यता नहीं हो पाती है। यह मानकर चला जाता है, कि सत्ता के लिए केवल हम ही उपयुक्त हैं। अथवा यह हमारा अधिकार है। जिसके कारण लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं लगातार कमजोर हो रही हैं। आम जनता में बेचैनी बढ़ रही है। जिसका असर कानून व्यवस्था और शांति व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। सत्ता का सिंहासन अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के साथ कांटे का ताज भी पहनाता है। सत्ताधीश को आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाता है। कर्तव्य पालन में सरकार की भूमिका पालक की तरह होती है। सिंहासन पर बैठे हुए राजनेता को ईश्वर की तरह सक्षम माना जाता है। सत्ता किसी के हाथ में भी हो, वह जनता की पालक ही होती है। यह सोचते हुए,जब हम अपने दायित्वों का निर्वाह करते हैं।तभी जाकर जनता के बीच में लोकप्रियता हासिल करते हैं। पराजय होती है, तो वह आगे के लिए हमें कुछ ऐसी सीख भी देती है, जो सत्ता को और मजबूती बनाए रखने के लिए मौके उपलब्ध कराती है। वर्तमान राजनीतिक संदर्भ में यही आशा की जाती है, कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम, देश के लिए हितकारी हों। पक्ष और विपक्ष के प्रति सद्भाव मजबूत हो। प्यार और युद्ध में सब कुछ जायज है, की तर्ज पर चुनाव जीतने के लिए जो भी प्रयास किए गये हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद उसे वास्तविक स्वरूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। स्वीकार्यता, शांति और सद्भाव का मार्ग है। यदि हम जीतने के लिए,हमेशा लड़ते रहेंगे, तो सारी ऊर्जा लड़ने में ही खत्म होगी। एक समय बाद, थक हार कर अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है। यह भी हमें समझना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने , चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। दुनिया भर से कमजोर संकेतों के बीच ही भारतीय सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतें नीचे आयी हैं। 10 ग्राम सोना सस्ता होकर 61,370 रुपये का हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की दरों में कमी आई है और अब यह 75,950 रुपये में बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने का भाव 330 रुपये के नुकसान के साथ 61,370 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। गत कारोबारी सत्र में सोना 61,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत 1,650 रुपये की गिरावट के साथ 77,800 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की हाजिर कीमत 330 रुपये की गिरावट के साथ 61,370 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ 2,026 डॉलर प्रति औंस और 25.10 डॉलर प्रति औंस पर चल रहे थे।

डीओटी ने बिहार और झारखंड में 2.25 लाख मोबाइल नंबर निष्क्रिय किए

पटना । दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने नकलीइ दस्तावेजों के आधार पर प्राप्त सिम कार्डों का उपयोग कर वित्तीय धोखाधड़ी के खतरे को रोकने के लिए बिहार और झारखंड में 2.25 लाख से अधिक मोबाइल नंबरों को निष्क्रिय कर दिया है। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने डिजिटल लेनदेन में उपयोग होने वाले 517 प्वाइंट ऑफ सेल्स (पीओएस) को भी काली सूची में डाल दिया है, जो सिम कार्ड जारी करते समय अनैतिक और अवैध कार्यों में शामिल पाए गए हैं। विशेष महानिदेशक दूरसंचार, डीओटी (लाइसेंस सेवा क्षेत्र-एलएसए-बिहार) द्वारा यहां जारी एक बयान के अनुसार अप्रैल 2023 के महीने में ही दोनों राज्यों में 2.25 लाख से अधिक मोबाइल नंबर निष्क्रिय कर दिए गए हैं। उनके अधिकांश सिम कार्ड अवैध और अनैतिक तरीकों से खरीदे गए थे।

गोफर्स्ट के विमान 24 मई से फिर भरेंगे उड़ान

मुंबई । विमानन कंपनी गोफर्स्ट 24 मई तक अपनी उड़ान सेवाओं को फिर से बहाल करने पर विचार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक एयरलाइन छोटे बेड़े के साथ 23 विमानों को फिर से शुरू करने की योजना बना रही है। बता दें 2 मई तक 27 गोफर्स्ट विमान उड़ान भर रहे थे। बताया जा रहा है कि इसमें दिल्ली और मुंबई के मुख्य एयरपोर्ट्स पर 51 और 37 डिपार्चर स्लॉट हैं। इससे पहले बुधवार को गोफर्स्ट ने कहा कि उसने 19 मई तक अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। इससे पहले 12 मई तक उड़ाने रद्द की गई थीं। गौरतलब है कि एनसीएलटी ने विमानन कंपनी गोफर्स्ट की दिवालिया याचिका को स्वीकार करते हुए उसे अपना परिचालन जारी रखने के लिए कहा है और किसी भी कर्मचारी की छंटनी नहीं करने को कहा है। गोफर्स्ट के कर्मचारियों की मौजूदा संख्या करीब 7 हजार है। कंपनी की हालत को देखते हुए इनमें से कइयों ने दूसरी नौकरी खोजने की प्रक्रिया तेज कर दी थी। एनसीएलटी ने कंपनी के प्रबंधन और निदेशक मंडल को भी सस्पेंड कर दिया है। परिचालन संबंधी कारणों से 19 मई 2023 तक गोफर्स्ट की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। एयरलाइंस ने कहा है कि यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमे खेद है। कंपनी ने यात्रियों को जानकारी देते हुए कहा कि रद्द उड़ानों पर टिकट का रिफंड पहली जैसी प्रक्रिया के आधार पर मिलेगा।

तेल तिलहन बाजार में गिरावट का रुख रहा

नई दिल्ली ।

ब्राजील में सोयाबीन की बंपर फसल होने के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बुधवार को सभी तेल-तिलहनों के भाव में गिरावट का रुख रहा। इस गिरावट से कुछ लोगों को खाद्य तेलों के दाम सस्ता होने की उम्मीद हो सकती है पर वास्तविकता इसके विपरीत है और इस गिरावट के देश के तेल तिलहन कारोबार पर दूरगामी असर देखने को मिल सकता है। बुधवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे सरसों तिलहन 5,050-5,150 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,670-6,730 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,500 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,490-2,755 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,400 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,600-1,680 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 1,600-1,710 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,550 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,300 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,600 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,950 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,100 रुपए प्रति क्विंटलश् पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,350 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला 9,400 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,360-5,410 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 5,110-5,190 रुपए प्रति क्विंटल। मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर की तुलना में गुरुवार को भारतीय रुपया 0.15 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया दो पैसे गिरावट के साथ ही 81.96 प्रति डॉलर पर आ गया। इस दौरान अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.97 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद 81.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाद में यह फिसलकर 81.96 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में दो पैसे की गिरावट है। वहीं गत दिवस रुपया 81.94 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर की स्थिति का आंकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.50 पर पहुंच गया। ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76.95 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में जोरदार तेजी

मुंबई । अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में गुरुवार को जोरदार तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में करीब 4 फीसदी की तेजी के साथ 1972.75 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर बुधवार को बीएसई में 1892.10 रुपए पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का उच्च स्तर 4189.55 रुपए है। वहीं अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 3 फरवरी 2023 को बीएसई में 52 हफ्ते के निम्नस्तर 1017.10 रुपए पर पहुंच गए थे। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के करीब 4 महीने बाद अडानी एंटरप्राइजेज फिर से फंड जुटाने की तैयारी में है। अडानी एंटरप्राइजेज स्टॉक सेल के जरिए फंड जुटा सकता है। कंपनी ने यह जानकारी बुधवार देर शाम स्टॉक एक्सचेंजों की दी है। अडानी एंटरप्राइजेज ने कहा है कि कंपनी के बोर्ड की 13 मई को बैठक होने वाली है, जिसमें स्टॉक सेलिंग पर विचार किया जाएगा। हालांकि कंपनी ने अभी इस बात का खुलासा नहीं किया है कि वह स्टॉक सेल के जरिए कितना पैसा जुटाना चाहती है। अडानी ग्रुप को लेकर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट 24 जनवरी को आई थी। इसके बाद अडानी ग्रुप की सभी कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट आई। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर भी लुढ़कर 1017.10 रुपए के स्तर पर पहुंच गए थे। हालांकि इसके बाद से कंपनी के शेयरों में अच्छी रिकवरी देखने को मिली है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 36 अंक , निफ्टी 18 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से प्राप्त मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 35.68 अंक करीब 0.06 फीसदी नीचे आकर 61,904.52 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,168.22 की ऊपर जाने के बाद 61,823.07 तक फिसला। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 18.10 अंक तकरीबन 0.1 फीसदी टूटने के बाद 18,297.00 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,389.70 तक के उच्च स्तर तक जाने के बाद 18,270.40 तक गिरा।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 22 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक करीब 3.22 फीसदी तक ऊपर आये। इसके अलावा एचयूएल, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं मारुति, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, टाइटन, एचसीएल टेक और एचडीएफसी के शेयर भी उछले हैं। वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के आठ शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। सबसे ज्यादा नुकसान लार्सन एंड टूब्रो के शेयरों को करीब 5.29 फीसदी हुआ। इसके अलावा आईटीसी, भारतीय एयरटेस, रिलायंस और इंफोसिस के अलावा टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और टीसीएस के शेयर भी रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार में बढ़त देखने को मिल रही है। सेंसेक्स करीब 120.09 अंक की बढ़त के साथ 62,060.29 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी करीब 42.70 अंक की बढ़त के साथ 18357.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजर में बढ़त देखने को मिल रही है। सेंसेक्स करीब 218.58 अंक की बढ़त के साथ 62,158.78 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी करीब 43.20 अंक की बढ़त के साथ 18357.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। हालांकि अमेरिका में महंगाई आंकड़े जारी होने के बाद दुनियाभर के बाजार में हल्की राहत की सांस ली है। अमेरिकी वायदा बाजारों में मामूली तेजी है। जबकि एशिया में निक्केई लाल निशान में और कोरिया का कोस्पी हरे निशान में ट्रेड कर रहा है।

हुंडई नई वरना ने 400 प्रतिशत वृद्धि दर्ज

अप्रैल में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनी

मुंबई ।

हुंडई वरना ने 400 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। अप्रैल में सेडान सेगमेंट में यह सबसे ज्यादा बिकने वाली कार है। जी हां, न्यू-जेन हुंडई वरना ने लगातार दूसरे महीने होंडा सिटी को पीछे छोड़ दिया है, क्योंकि इसने अप्रैल 2023 में 412 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 4,000 से अधिक यूनिट की वृद्धि पोस्ट की है। अप्रैल 2023 के महीने में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड की नई जेनरेशन की वरना ने 4,001 यूनिट्स की घरेलू बिक्री के साथ मिड साइज की सेडान बिक्री चार्ट में टॉप स्थान हासिल किया है। पांचवी पीढ़ी की होंडा सिटी 1,920 यूनिट्स बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रही।

2022 में 2,300 यूनिट्स के साथ इस महीने की तुलना में सिटी ने 17 प्रतिशत की साल-दर-साल निगेटिव बिक्री वृद्धि दर्ज की थी। स्कोडा स्लाविया पिछले महीने कुल 1,585 यूनिट्स के साथ तीसरी सबसे अधिक बिकने वाली मिड साइज की सेडान थी, जबकि अप्रैल 2022 में 2,431 यूनिट्स की तुलना में 35 प्रतिशत की गिरावट थी। फॉक्सवैगन वर्टुस घरेलू टोटल 1,481 टूनिट्स की बिक्री के साथ चौथे स्थान पर रही, जबकि मारुति सुजुकी सियाज ने पिछले महीने 1,017 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है, जबकि अप्रैल 2022 में 579 यूनिट्स की बिक्री में 76 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मार्च 2023 में 137 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,586 यूनिट्स के मुकाबले नई-जेन हुंडई वरना ने 3,755 यूनिट्स की बिक्री की थी। मार्च 2023 के महीने में हुंडई ने भारत में नई वेरना को अपडेट के साथ पेश किया था। इसकी शुरुआती कीमत 10.90 लाख है और टॉप मॉडल की कीमतें 17.38 लाख (एक्स-शोरूम) रुपये तक जाती हैं।

छोटी कंपनी के शेयर ने तीन महीने में दिया 431 फीसद का रिटर्न

मुंबई । टाटा स्टील जैसी बड़ी कंपनी के शेयर में जहां गिरावट देखी गई है। वहीं सुरानी स्टील ट्यूब्स जैसी छोटी कंपनी के शेयर उड़ान भर रहे हैं। पिछले एक महीने में इस स्टॉक ने 164 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। जबकि, टाटा स्टील ने केवल 1.26 फीसद। टाटा स्टील के शेयर गुरुवार को भी लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं, जबकि सुरानी स्टील में अपर सर्किट लगा है। मार्केट कैपिटल के लिहाज से भी दोनों कंपनियों में कोई तुलना नहीं है। टाटा स्टील का मार्केट कैप 1.33 लाख करोड़ है। वहीं सुरानी स्टील का केवल 14,265 लाख। शुरुआती कारोबार में टाटा स्टील के शेयर आज 109.15 रुपए पर ट्रेड कर रहे थे जबकि, सुरानी के शेयर 172.20 अगर दोनों स्टॉक्स की तुलना करें तो पिछले एक हफ्ते में टाटा स्टील ने 1.85 फीसद का निगेटिव रिटर्न दिया है, जबकि सुरानी स्टील ने 27 फीसद से अधिक बंपर मुनाफा कमवाया है। पिछले एक महीने में सुरानी स्टील जहां 164.33 फीसद उछला है तो टाटा स्टील केवल एक फीसद अधिक चढ़ा है।

मैनकाइंड फार्मा पर इनकम टैक्स की रेड, शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली ।

फार्मास्यूटिकल कंपनी मैनकाइंड फार्मा पर इनकम टैक्स की रेड पड़ने से शेयर धड़ाम से नीचे आ गए। इस तरह से कंपनी की शेयर बाजार में लिस्टिंग के दो दिन बाद ही बुरी खबर आई है। जानकारी के अनुसार मैनकाइंड फार्मा के दिल्ली स्थित दफ्तर पर इनकम टैक्स डिपॉर्टमेंट का छापा पड़ा है। मीडिया में आ रही छापे की खबरों के बाद आज कंपनी के शेयरों में 5.5 प्रे तिशत तक की गिरावट आई। हालांकि, 11 बजे के करीब मैनकाइंड के शेयर 1.66 फीसद टूटकर 1359 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। गौरतलब है कि मैनकाइंड फार्मा और आईटी विभाग ने टिप्पणी के लिए रॉयटर्स के मेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। जानकारी के अनुसार मैनकाइंड फार्मा के शेयर मंगलवार को स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट हुए थे। शेयरों में जबरदस्त उछाल की वजह से मैनफोर्स कंडोम के निर्माता का बाजार मूल्य 569.76 अरब (6.97 बिलियन) पर लगभग 32 प्रे तिशत बढ़ गया। मेनफोर्स कॉडोंम्स, प्रेग्नेंसी टेस्ट किट प्रेगा न्यूज जैसे उत्पाद बनाने वाली फार्मा सेक्टर की दिग्गज कंपनी मैनकाइंड फार्मा की शुरुआत 1995 में हुई थी। इसके फाउंडर रमेश जुनेजा हैं।

मैनकाइंड फार्मा का पूरा फोकस घरेलू मार्केट पर है। वित्त वर्ष 2022 के आंकड़ों के मुताबिक कंपनी की कुल रेवेन्यू में 97.60 फीसदी हिस्सेदारी घरेलू बाजार का है। इस कंपनी फार्मास्यूटिकल्स कारोबार में 36 ब्रांड्स डेवलप किए हैं।

गौरतलब है कि कंपनी के शेयर 1080 रुपये के आईपीओ प्राइस से 20 पर्सेंट से ज्यादा पर लिस्ट हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में करीब 32 पर्सेंट की तेजी के साथ 1424.05 रुपये पर बंद हुए। कंपनी के शेयरों ने पहले ही दिन हर शेयर पर करीब 345 रुपये का फायदा कराया।

माइक्रोसॉफ्ट का ऐलान, न वेतन में बढ़ोतरी होगी, न ही मिलेगा बोनस

नयी दिल्ली ।

आर्थिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए माइक्रोसॉफ्ट ने ऐलान किया है कि वह अपने कर्मचारियों का न तो वेतन बढ़ाएगी और न ही बोनस दिया जाएगा। गौरतलब है कि माइक्रोसॉफ्ट ने जनवरी में ही 10,000 कर्मचारियों को कंपनी से निकाला है। माइक्रोसॉफ्ट ने अब बचे हुए कर्मचारियों को भी झटका दे दिया है। कंपनी ने ऐलान किया है कि वह इस साल अपने फुल टाइम कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी नहीं करेगी और बोनस में भी कटौती करेगी। हालांकि, कंपनी कर्मचारियों को प्रमोशन और अवार्ड देना जारी रखेगी। कंपनी ने इस फैसले के पीछे चुनौतीपूर्ण आर्थिक परिस्थितियों को कारण बताया है। माइक्रोसॉफ्ट के एक प्रवक्ता ने कहा कि वे अपने लोगों, व्यापार और भविष्य में निवेश पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने की आवश्यकता को पहचानते हैं, खासकर तब जब कंपनी एक प्रतिकूल आर्थिक वातावरण और प्रमुख बदलाव से गुजर रही हो। माइक्रोसॉफ्ट आकर्षक जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ध्यान केंद्रित कर रही है। हाल ही में, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के एक आंतरिक ईमेल के हवाले से कहा गया था कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा और व्यापक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच माइक्रोसॉफ्ट एआई के नए युग में एक महत्वपूर्ण बदलाव ला रहा है। माइक्रोसॉफ्ट इस वर्ष बोनस और स्टॉक अवार्ड के लिए अपना बजट बनाए रखेगा, लेकिन पिछले वर्ष की तुलना में अधिक धनराशि नहीं देगा, जिससे यह औसत के करीब आ जाएगा।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि दुनिया भर में कई बड़ी कंपनियों के साथ-साथ माइक्रोसॉफ्ट भी आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है। हालांकि, एआई तकनीक में माइक्रोसॉफ्ट का निवेश रंग लाता दिख रहा है। हाल के वर्षों में कंपनी के स्टॉक मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेज होती जा रही है, संभावना है कि कंपनी को अपनी दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक निर्णय लेने की आवश्यकता होगी।

आईपीएल स्ट्रीमिंग में जियो ने बनाया रिकार्ड

1300 करोड़ से ज्यादा वीडियो व्यूज मिले

मुम्बई ।

आईपीएल के इस 16वें सत्र में स्ट्रीमिंग को लेकर आधिकारिक प्रसारक जियो सिनेमा ने रिकार्ड बनाया है। जियो को पहले 5 सप्ताह में ही 1300 करोड़ से ज्यादा वीडियो व्यूज मिले हैं।

इससे साफ है कि दर्शक जियो सिनेमा पर जमकर आईपीएल का आनंद उठा रहे हैं। दर्शकों ने प्रति मैच औसतन 60 मिनट खर्च किए हैं। आईपीएल 2023 की पहुंच एचडी टीवी की तुलना में दोगुने दर्शकों तक है।

वहीं वायाकॉम18 स्पोर्ट्स के सीईओ अनिल जयराज ने जियो की इस उपलब्धि पर कहा, जियो सिनेमा हर हफ्ते और भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। गौरतलब है कि जियो सिनेमा डिजिटल माध्यमों के जरिये आईपीएल को सीधे ही दर्शकों तक पहुंचाने की अवधारणा पर आधारित है। साथ ही कहा कि हम अपने सभी प्रायोजकों, विज्ञापनदाताओं और भागीदारों को हमारी यात्रा में विश्वास दिखाने के लिए धन्यवाद देते हैं। साथ ही कहा कि हम हर प्रशंसक के टाटा आईपीएल देखने के अनुभव को और बेहतर बनाना जारी रखेंगे। जियो सिनेमा ने पांच दिनों के अंतराल में दो बार टाटा आईपीएल के सर्वोच्च रिकॉर्ड को तोड़ा है। इसके तहत 12 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गए मैच को 2.23 करोड़ व्यूज मिले थे। वहीं पांच दिन बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम चेन्नई सुपर किंग्स के मैच को जियो सिनेमा पर 2.4 करोड़ दर्शकों ने देखकर पहले के रिकार्ड को तोड़ा। इसमें रोमांचक एक्शन से भरपूर विशेष सामग्री, जिसमें हाइलाइट्स, शीर्ष खिलाड़ियों के इंटरव्यू भी दिखाए जा रहे हैं। विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, फाफ डुप्लेसी, राशिद खान, डेविड मिलर जैसे स्टार खिलाड़ियों के इंटरव्यू आईपीएल टीमों के साथ साझेदारी के माध्यम से लिए जा रहे हैं। जियो सिनेमा के साथ साइन करने वाले विज्ञापनदाताओं की संख्या भी एक नया रिकॉर्ड है। साथ ही इसमें शामिल होने वाले ब्रांडों की सूची के और बढ़ने की उम्मीद है।

कच्चे सोयाबीन और सूरजमुखी तेल के आयात पर सीमा शुल्क, कृषि उपकर की छूट

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने कुछ शर्तों के साथ कच्चे सोयाबीन और सूरजमुखी तेल के आयात पर 30 जून, 2023 तक मूल सीमा शुल्क और कृषि अवसंरचना और विकास उपकर (एआईडीसी) की छूट दे दी है। यह छूट सिर्फ उन उन आयातकों के लिए है जिनके पास वित्त वर्ष 2022-23 के लिए शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) है। टीआरक्यू के तहत बहुत कम शुल्क पर एक निश्चित मात्रा में आयात की अनुमति होती है। एक बार यह सीमा पूरी होने के बाद अतिरिक्त आयात के लिए ऊंचा शुल्क लागू होता है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) आयातकों को टीआरक्यू आवंटित करता है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना के जरिये वित्त वर्ष 2022-23 के लिए टीआरक्यू लाइसेंस धारकों को 30 जून, 2023 तक शून्य मूल सीमा शुल्क और शून्य एआईडीसी पर कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल के आयात की अनुमति दे दी है। मंत्रालय ने कहा कि यह अधिसूचना 11 मई, 2023 को लागू होगी। इस अधिसूचना में निहित कुछ भी 30 जून, 2023 के बाद लागू नहीं होगा।

आत्मविश्वास से भरे मुंबई इंडियन्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

मुंबई (एजेंसी)। आत्मविश्वास से भरी मुंबई इंडियन्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले में शुक्रवार को यहां जब अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे गत चैंपियन गुजरात टाइटंस के सामने होगी तो दोनों के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। आईपीएल के मौजूदा सत्र में पहली बार मुंबई इंडियन्स की टीम प्रभावी नजर आ रही है और मंगलवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को छह विकेट से हराकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। मुंबई ने आरसीबी के 200 रन के लक्ष्य को 17 ओवर के भीतर ही हासिल कर लिया जो दर्शाता है कि टीम का बल्लेबाजी क्रम कितना मजबूत है।

टीम ने हालांकि नेट रन रेट में इजाफा करने के लिए लगातार दूसरे मैच में बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया। टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और पिछली पांच पारियां में दोहरे अंक में भी पहुंचने में नाकाम रहे हैं लेकिन इसके बावजूद मुंबई के बल्लेबाजों ने वानखेड़े स्टेडियम में तीन प्रयास में दो बार 200 या इससे अधिक के लक्ष्य को हासिल किया। यहां तक कि पंजाब किंग्स के खिलाफ भी मुंबई ने 215 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 201 रन बनाए थे। मुंबई के लिए मौजूदा सत्र में सबसे बड़ी चिंता रोहित की फॉर्म नहीं बल्कि टीम की गेंदबाजी है। टीम के खिलाफ लगातार चार मैच में 200 से अधिक रन बने जबकि आरसीबी की टीम भी 199 रन बनाने में सफल रही।

पिछले तीन मैच में विरोधी टीमों ने सपाट विकेट और बल्लेबाजी के अनुकूल हालात का फायदा उठाते हुए मुंबई इंडियन्स के खिलाफ आठ विकेट पर 214, सात विकेट पर 212 और छह विकेट पर 199 रन बनाए और गुजरात टाइटंस की नजरें भी बड़े स्कोर पर टिकी होंगी। मुंबई की टीम ने आरसीबी के खिलाफ बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन गुजरात टाइटंस के पास आरसीबी के विपरीत निचले क्रम में फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज हैं। सूर्यकुमार यादव की 35 गेंद में 83 रन की पारी और नेहल वढेरा के दूसरे अर्धशतक से मुंबई इंडियन्स ने आरसीबी के खिलाफ आसान जीत दर्ज की लेकिन टीम को पता है कि वे शीर्ष पर चल रहे गजरात टाइटंस के खिलाफ कोई कोताही नहीं बरत सकते।

सूर्यकुमार की फॉर्म में वापसी मुंबई के लिए सबसे सकारात्मक चीज है जबकि इशान किशन, कैमरन ग्रीन, टिम डेविड और तिलक वर्मा ने भी टीम के लिए उपयोगी पारियां खेली हैं। यह देखना होगा कि वर्मा शुक्रवार को होने वाले मुकाबले के लिए फिट होते हैं या नहीं। मैच में काफी कुछ हालांकि इस पर भी निर्भर करेगा कि मुंबई के बल्लेबाज गुजरात के अफगानिस्तान के दो स्पिनरों राशिद खान और नूर अहमद के आठ ओवरों में कैसा प्रदर्शन करते हैं। गुजरात ने 11 में से आठ मुकाबले जीते हैं और प्ले ऑफ में जगह बनाने की दहलीज पर खड़ी है।

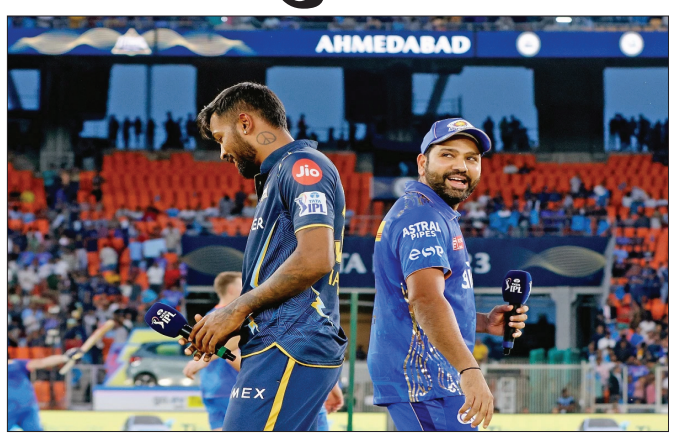

कप्तान हार्दिक पंड्या और आशीष नेहरा इस साल भी खिलाड़ियों की सफलता के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने में सफल रहे हैं जिससे टीम लगातार दूसरे साल खिताब की मजबूत दावेदार के रूप में उभरी है। गुजरात टाइटंस ने इस साल विरोधी के मैदान पर कोई मैच नहीं गंवाया है और उसे अब तक तीनों हार अहमदाबाद के अपने घरेलू मैदान पर मिली हैं। शुभमन गिल और रिद्धिमान साहा की गुजरात की सलामी जोड़ी अच्छी भी बल्ले से प्रभावित किया है जबकि निचले क्रम में राहुल तेवतिया की मौजूदगी बल्लेबाजी को मजबूत करती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

मुंबई इंडियंस: रोहित शर्मा (कप्तान), जोफा आर्चर, अरशद खान, जेसन बेहरेनडोर्फ, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, टिम डेविड, राघव गोयल, कैमरन ग्रीन, इशान किशन, डुआन जेनसन, क्रिस जोर्डन, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल , रिले मेरेडिथ, शम्स मुलानी, रमनदीप सिंह, संदीप वारियर, ऋतिक शौकीन, ट्रिस्टन स्टब्स, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा और सूर्यकुमार यादव।

गुजरात टाइटन्स: हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साई सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नालकंडे, जयंत यादव, आर साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा।

इटैलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे फोगनीनी और वावरिंका, मर्रे बाहर हुए

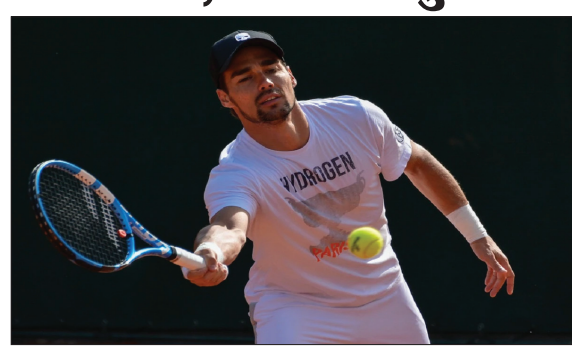

रोम (एजेंसी)। (ईएमएस)। इटली के फाबियो फोगनीनी और स्विटरजलैंड के स्टेन वावरिंका जीत के साथ ही इटैलियन ओपन टेनिस के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। फोगनीनी ने ब्रिटेन के शीर्ष खिलाड़ी एंडी मर्रे को करीब तीन घंटे तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट में प्रवेश करने वाले फोगनीनी ने मर्रे के खिलाफ मैच में 24 के मुकाबले 49 विनर लगाए। वहीं अनुभवी खिलाड़ी स्टेन वावरिंका ने इल्या इवाश्का को वर्षा से बाधित मुकाबले में आसानी से 6-2, 6-4 से हरा दिया। बहाना पड़ा।

वावरिंका इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी हैं। वह 38 साल के हैं। वहीं एलेक्सांद्र बुबलिक, क्रिस्टियन गेरिन, मार्टन फुकसोविक्स और सबेस्टियन बेइज भी जीत दर्ज करने के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये। वहीं चीन के यू यिबिंग ने फ्रांस के अनुभवी खिलाड़ी रिचर्ड गास्केट को 3-6, 6-3, 6-3 से हराकर उलटफेर किया। दूसरी ओर महिला वर्ग में लेसिया सुरेंको ने दो बार की चैंपियन यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को हरा दिया। अमेरिका की स्लोएन स्टीफंस ने नादिया पोडोरोस्का को 6-4, 6-1 से हराया।

एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर पाक ने अब तक नहीं दिया कोई जवाब : आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि भारत में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर अभी तक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कोई लिखित जवाब नहीं दिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ओर पीबीसी के बीच एशिया कप के लिए जारी गतिरोध के बीच ही ये जवाब आया है।

वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय टीम का पाक जाना और पाक का भारत जाना बीसीसीआई या पीसीबी पर आधारित नहीं हैं। इसके लिए दोनो ही देशों के बोर्ड को अपनी-अपनी सरकारों से मंजूरी लेनी होती है। इसी कारण अब तक पीसीबी विश्वकप में भाग लेने को लेकर आईसीसी को कोई जवाब नहीं दे पाया है। इसके लिए पहले उसे पाक सरकार से मंजूरी लेनी होगी। विश्व कप में पाक टीम को अहमदाबाद के अलावा बेंगलुरु और चेन्नई में खेलना होगा। वहीं कहा जा रहा है कि पाक टीम टीम अहमदाबाद में मैच खेलने के लिए तैयार नहीं होगी। वहीं एशिया कप में पाक टीम के सभी मैच घरेलू धरती पर होंगे जबकि भारत के मैच दुबई, शारजाह और अबुधाबी में रखे गये हैं। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि अगर एशिया कप श्रीलंका में रखा गया तो पाक उसमें भाग नहीं लेगा। एसीसी के सूत्र ने बताया कि अगर टूर्नामेंट को श्रीलंका में स्थानांतरित किया जाता है, तो पाक उसमें भाग नहीं लेगा।

आईसीसी रैंकिंग: भारत तीसरे स्थान पर खिसका, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। भारत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की गुरुवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में पाकिस्तान के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गया जबकि ऑस्ट्रेलिया पहले पायदान पर बरकरार है। रैंकिंग में वार्षिक अपडेट के बाद पांच बार के विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया ने अपनी रेटिंग में पांच अंक का सुधार किया। टीम के नाम अब 118 रेटिंग अंक हैं। पाकिस्तान 116 रेटिंग अंक के साथ दूसरे और भारत 115 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। आईसीसी की विज्ञप्ति के मुताबिक, '' वार्षिक अपडेट से पहले ऑस्ट्रेलिया 113 अंक के साथ शीर्ष पर था और दशमलव के अंतर में भारत दूसरे स्थान पर था।

पाकिस्तान 112 अंक के साथ तीसरे स्थान पर था लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे एकदिवसीय में जीत के बाद वह कुछ समय के लिए शीर्ष पर पहुंचा था।'' पाकिस्तान अगर पांचवें एकदिवसीय मैच को जीत लेता तो वह तालिका में शीर्ष पर बरकरार रहता लेकिन न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले को जीत कर उसे सूपड़ा साफ करने से रोक दिया। आईसीसी की वार्षिक रैंकिंग में मई 2020 से पूरी हुई सभी एकदिवसीय श्रृंखलाओं को शामिल किया गया है। इसमें मई 2022 से पहले पूरी हुई श्रृंखलाओं के लिए 50 अंक प्रतिशत दिये गये हैं जबकि इसके बाद की सभी श्रृंखलाओं को 100 अंक प्रतिशत दिये गये हैं। आईसीसी ने कहा,'' इसका मतलब यह हुआ कि पाकिस्तान की इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार के अंक को इस रैंकिंग से हटा दिया गया जबकि 2021 में इसी टीम के खिलाफ मिली 0-3 की शिकस्त का 50 प्रतिशत रेटिंग अंक ही गणना में आया।''

भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-2 की हार का खामियाजा इस रैंकिंग में भुगतना पड़ा। न्यूजीलैंड (104) इस रैंकिंग में चौथे जबकि इंग्लैंड 10 रेटिंग अंक के नुकसान के साथ पांचवें स्थान पर है। उसके नाम 101 रेटिंग अंक है। अफगानिस्तान बड़ी छलांग लगाते हुए श्रीलंका (नौवा स्थान) और वेस्टइंडीज (10वां स्थान) को पछाड़ कर आठवें स्थान पर आ गया। दक्षिण अफ्रीका छठे और बांग्लादेश सातवें स्थान पर है।

आईपीएल स्ट्रीमिंग में जियो ने बनाया रिकार्ड -1300 करोड़ से ज्यादा वीडियो व्यूज मिले

मुम्बई । आईपीएल के इस 16वें सत्र में स्ट्रीमिंग को लेकर आधिकारिक प्रसारक जियो सिनेमा ने रिकार्ड बनाया है। जियो को पहले 5 सप्ताह में ही 1300 करोड़ से ज्यादा वीडियो व्यूज मिले हैं। इससे साफ है कि दर्शक जियो सिनेमा पर जमकर आईपीएल का आनंद उठा रहे हैं। दर्शकों ने प्रति मैच औसतन 60 मिनट खर्च किए हैं। आईपीएल 2023 की पहुंच एचडी टीवी की तुलना में दोगुने दर्शकों तक है। वहीं वायाकॉम18 स्पोर्ट्स के सीईओ अनिल जयराज ने जियो की इस उपलब्धि पर कहा, जियो सिनेमा हर हफ्ते और भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। गौरतलब है कि जियो सिनेमा डिजिटल माध्यमों के जरिये आईपीएल को सीधे ही दर्शकों तक पहुंचाने की अवधारणा पर आधारित है। साथ ही कहा कि हम अपने सभी प्रायोजकों, विज्ञापनदाताओं और भागीदारों को हमारी यात्रा में विश्वास दिखाने के लिए धन्यवाद देते हैं। साथ ही कहा कि हम हर प्रशंसक के टाटा आईपीएल देखने के अनुभव को और बेहतर बनाना जारी रखेंगे। जियो सिनेमा ने पांच दिनों के अंतराल में दो बार टाटा आईपीएल के सर्वोच्च रिकॉर्ड को तोड़ा है। इसके तहत 12 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गए मैच को 2.23 करोड़ व्यूज मिले थे। वहीं पांच दिन बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम चेन्नई सुपर किंग्स के मैच को जियो सिनेमा पर 2.4 करोड़ दर्शकों ने देखकर पहले के रिकार्ड को तोड़ा। इसमें रोमांचक एक्शन से भरपूर विशेष सामग्री, जिसमें हाइलाइट्स, शीर्ष खिलाड़ियों के इंटरव्यू भी दिखाए जा रहे हैं।

सरफराज को बार-बार नजरअंदाज कर रही बीसीसीआई

मुम्बई । बल्लेबाज सरफराज खान को घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद भी अब तक टीम इंडिया में जगह नहीं मिल पायी है। सरफराज को अगले माह होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए चयनित टीम में जगह नहीं मिलने से तय हो गया है कि इस क्रिकेटर को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। सरफराज का प्रदर्शन पिछले एक साल से घरेलू क्रिकेट में काफ अच्छा रहा है और इस बल्लेबाज ने 13 शतक लगाये हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने युवा खिलाड़ियों ईशान किशन, केएस भरत के साथ-साथ अनुभवी खिलाड़ियों अजिंक्य रहाणे, जयदेव उनादकट को भी टीम में जगह दी है पर सरफराज की फिर उपेक्षा की है। हालांकि इस क्रिकेट के नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 37 मैचों की 54 पारियों में 79.65 की औसत से कुल 3505 रन दर्ज हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सरफराज के नाम 13 शतक और 9 अर्धशतक हैं। आईपीएल से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया था। तब भी प्रशंसकों को निराशा हुई थी। हाल ही में जब भारतीय अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल आईपीएल में चोटिल होने के बाद बाहर हो गये थे तब लगा था कि सरफराज को विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप के लिए भारतीय टीम में अवसर मिलेगा पर ऐसा हुआ नहीं। राहुल की जगह पर ईशान किशन को टीम में शामिल किया गया जबकि सरफराज खान फर्स्ट क्लास क्रिकेट में औसत के मामले में दूसरे सबसे सफल खिलाड़ी हैं। पहले नंबर पर महान बल्लेबाज डोनाल्ड ब्रेडमैन हैं जिनका फर्स्ट क्लास क्रिकेट में औसत 95.14 का है, वहीं 79.65 के औसत के साथ दूसरे नंबर पर सरफराज हैं।

दिल्ली के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं अभी समाप्त नहीं हुईं

चेन्नई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा है। उसे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ हुए मुकाबले में 27 रनों से हार मिली। इस प्रकार 11 मैचों में सातवीं हार के साथ ही टीम 8 अंक लेकर अंक तालिका में दसवें अंतिम स्थान पर खिसक गयी है। इस हार के बाद दिल्ली के लिए प्लेऑफ में पहुंचना कठिन हो गया है पर वह अभी तक मुकाबले से बाहर नहीं हुई है। दिल्ली के अब इस सत्र में तीन मैच हैं, इसमें से उसे दो मुकाबलों में पंजाब किंग्स जबकि एक मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स से खेलना होगा। वहीं प्लेऑफ के लिए उसे अपने बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। इसके अलावा अन्य टीमों के परिणाम भी अहम होंगे

दिल्ली कैपिटल्स को सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे जिससे उसका रन रेट बेहतर हो सके। अभी दिल्ली का रन रेट 0.605 है, जो काफी कम है। ऐसे में दिल्ली को बचे हुए तीनों ही मैच बड़े अंतर से जीतने के साथ ही उम्मीद करनी होगी कि गुजारात टाइटंस और मुंबई इंडियंस अपने बाकी के सारे मैच जीते और चेन्नई सुपर किंग्स लीग स्तर के मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को हरा दे। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स भी केकेआर को पर मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद से मैच हार जाए। राजस्थान रॉयल्स अपने बाकी 3 में से कम से कम 2 मैच हार जाए पर ये सारे परिणाम दिल्ली के पक्ष में आयें। ऐसा संभव नजर नहीं आता है पर इस सत्र में कई उफटफेर हुए हैं जिसको देखते हुए कुछ भी असंभव नहीं लगता।

पहलवानों ने काली पट्टी बांध कर विरोध जताया

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे पहलवानों ने गुरुवार को बांहों और सिर पर काली पट्टी बांध कर विरोध प्रदर्शन किया। जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे दिग्गज पहलवानों विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, सत्यव्रत कादियान, जितेंद्र किन्हा के अलावा अन्य पहलवानों और उनके समर्थन के लिए यहां पहुंचे सभी लोगों ने अपने सिर और बाहों पर काली पट्टी बांधी थी। इन पहलवानों का कहना है कि इस मामले में उन्हें न्याय मिलना चाहिये। साथ ही कहा कि बृजभूषण अपनी ताकत का इस्तेमाल कर पहलवानों का प्रदर्शन समाप्त करना चाहता है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में कानूनी कार्रवाई जारी है। बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गयी है और पुलिस मामले की जांच में लगी है। वहीं पहलवान पिछले 18 दिनों से धरन पर बैठे हैं। इससे पहले भी पहलवानों ने दिसंबर में धरना दिया था पर सरकार के आश्वासन के बाद समाप्त कर दिया था। वहीं जब बृजभूषण की खिलाफ कार्रवाई नहीं हुए तो पहलवान फिर धरने पर बैठ गये। कई खिलाड़ियों ने भी पहलवानों के प्रति समर्थन जताया है।

नवीन ओर विराट में अब सोशल मीडिया पर जारी है जंग

लखनऊ । आईपीएल में यहां रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच हुए मैच के बाद से ही के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और अफगान क्रिकेटर नवीन उल हक के बीच हुआ विवाद अभी थमता नजर नहीं आ रहा है। इसके बाद से ही दोनो के बीच सोशल मीडिया पर एक दूसरे के खिलाफ कमेंट जारी रहे हैं। नवीन ने कोहली और आरसीबी पर तंज कसते हुए एक इंस्टा स्टोरी भी जारी की थी। जब उन्होंने यह साझा की थी तब कोहली एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गए थे और उनकी टीम भी हार गई थी। उन्होंने मैंगो की तस्वीर को इंस्टाग्राम स्टोरी बनाते हुए लिखा था, स्वीट मैंगोज। इसके बाद अब विराट ने एक वीडियो इंस्टा स्टोरी बनायी है। विराट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें हॉलीवुड अभिनेता केविन हार्ट कह रहे हैं कि उनके पास मनमुटाव, गुस्सा और नकारात्मकता के लिए समय नहीं है। कोहली ने वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, वर्ड। हार्ट एक साक्षात्कार में कहते दिख रहे हैं, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके पास कैसी भावनाएं हैं, या आपको कितना दुख हुआ है। जीवन को चलते रहना है। जिंदगी किसी के लिए नहीं रुकती। इसलिए यदि आप इसे संसाधित नहीं करते हैं, और समझते हैं कि आप किसी समय में फंस गए हैं, तो आप आहत होंगे। मनमुटाव, गुस्सा, नकारात्मकता जैसी बातों के लिए मेरे पास इसके लिए समय नहीं है, क्योंकि मैं बहुत सारी सकारात्मक चीजें जी रहा हूं। मैं अतीत में खड़े नहीं रह सकता और जो गलत था उसमें नहीं हो सकता हूं। माना जा रहा है कि विराट ने इसके जरिये नवीन की इंस्टाग्राम कहानियों का करारा जवाब दिया है।

पहले क्वालीफायर में हो सकता है गुजरात और सीएसके का मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के साथ ही वह 12 मैचों में 15 अंक के साथ ही तालिका में दूसरे स्थान पर आ गयी है। ऐसे में उसके पहले क्वालीफायर खेलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। वहीं गत विजेता गुजरात टाइटंस के अब तक 11 मैचों में से 8 जीत के साथ ही 16 अंक हैं और वह तालिका में पहले नंबर पर है। ऐसे में पहले क्वालीफायर में सीएसके और गत विजेता गुजरात के बीच मुकाबला होना तय है। वहीं तीसरे स्थान पर चल रही मुंबई इंडियंस के पहले क्वालीफायर में खेलने की संभावनाएं काफी कम हैं।

गुजरात को अभी इस सत्र तीन मुकाबले क्रमशः मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ खेलने हैं। अगर वह अब एक भी मैच जीतती है तो उनके 18 अंक हो जाएंगे और ऐसे में सीएसके के अलावा कोई और टीम उससे आगे नहीं निकल सकती है।

सीएसके को अभी लीग स्तर में दो मुकाबले कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स से खेलने हैं। यहां अगर सीएसके एक एक भी मैच जीतती है तो उनके 17 अंक हो जाएंगे। ऐसे में लखनऊ और मुम्बई को उसकी बराबरी के लिए सभी मैच जीतने होंगे।

प्लेऑफ और फाइनल मैचों का कार्यक्रम

23 मई- क्वालीफायर 1, चेन्नई में
24 मई- एलिमिनेटर, चेन्नई में
26 मई- क्वालिफायर 2, अहमदाबाद में
28 मई- फाइनल, अहमदाबाद में

ऑस्ट्रेलिया के अभ्यास मैच नहीं खेलने से लीमन नाराज

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कोच डेरेन लीमन ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल और एशेज से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलने के फैसले को गलत बताया है। लीमन ने कहा कि टीम ने भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला से पहले भी कोई अभ्यास मैच नहीं खेला था जिसका उसे नुकसान हुआ था। तब ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन का कहना था कि तेज गेंदबाजों के अनुकूल विकेट पर खेलने का कोई अर्थ नहीं बनता है क्योंकि भारत में उसे स्पिन को सहायता देने वाले विकेटों पर खेलना है। लीमन के अनुसार विदेशी धरती पर खेलने से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलना नुकसानदेह हो सकता है। उन्होंने कहा, ''हालातों से तालमेल के लिए अभ्यास मैच खेलना जरूरी है। इससे खेल में लय के साथ ही दबाव से निपटना भी आता है।

एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी हॉकी में 6 देश भाग लेंगे : एचयूटीएन

नई दिल्ली। तमिलनाडु में होने वाले सातवें एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में भारत के अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, चीन और पाकिस्तान सहित 6 एशियाई देश हिस्सा लेंगे। तमिलनाडु हॉकी यूनिट (एचयूटीएन) के अध्यक्ष जे. शेखर मनोहरन ने कहा कि पहले चीन और पाकिस्तान की इस टूर्नामेंट में भागीदारी पर आशंकाएं लगी थी पर अब वे दूर हो गयी हैं। यह टूनामेंट चेन्नई में तीन से 12 अगस्त के बीच खेला जाएगा। मनोहरन ने कहा कि एचयूटीएन ने अभ्यास मैदान के लिये स्थल का चयन भी कर लिया है। अभ्यास मैदान एसडीएटी-मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम के प्रवेश द्वार के ठीक बगल का एक टेनिस कोर्ट होगा। उन्होंने कहा कि स्टेडियम के अंदर 4 टेनिस कोर्ट का बड़े पैमाने पर उपयोग नहीं किया गया था, इसलिए हमने अभ्यास करने के लिए इस मैदान में बदलाव किये हैं। हम मई में काम शुरू करने की उम्मीद कर रहे हैं। चेन्नई एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी की मेजबानी करने वाला पहला भारतीय शहर होगा। हाल के दिनों में भारत में अधिकतर अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंटों का आयोजन ओडिशा में ही हुआ है।

रिंकू सिंह भारतीय टीम में जगह बनाने से बहुत दूर नहीं: हरभजन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह को उम्मीद है कि इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह छोटे प्रारूप में जल्द ही भारतीय टीम में जगह बनाएंगे। बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू ने 11 मैच में 151 के स्ट्राइक रेट से 337 रन बनाकर खुद को फिनिशर के रूप में स्थापित किया है। हरभजन ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''भारतीय टीम की कैप (टीम के लिए पदार्पण) जल्द ही रिंकू के सिर पर होगी। वह प्रेरणादायी खिलाड़ी है। वह आज जहां है वहां पहुंचने के लिए उसने बेहद कड़ी मेहनत की है। अपने ऊपर यह विश्वास रखने के लिए उसे पूरा श्रेय जाता है। उसका यात्रा जीवन का एक सबक है और सभी युवा बच्चों को उससे सीखना चाहिए।''

एक अन्य पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भी हरभजन के सुर में सुर मिलाया। कैफ ने कहा, ''रिंकू सिंह में वह परिपक्वता है। उसका फुटवर्क काफी अच्छा है और स्ट्राइक रोटेट करने की भी कोशिश करता है। रिंकू को पता है कि अपनी फॉर्म को अच्छी पारी में कैसे बदलना है और उसे यह भी पता है कि जब तेजी दिखानी है। वह बड़े शॉट खेलने में सक्षम है।'' भारत को जुलाई में वेस्टइंडीज और अमेरिका में पांच टी20 मैच खेलने हैं और फिर अफगानिस्तान से अपनी सरजमीं और आयरलैंड से उसके मैदानों पर सबसे छोटे प्रारूप में तीन-तीन मुकाबले खेलने हैं। रिंकू के अलावा तिलक वर्मा और जितेश शर्मा भारतीय टीम में जगह बनाने के दावेदार हैं।

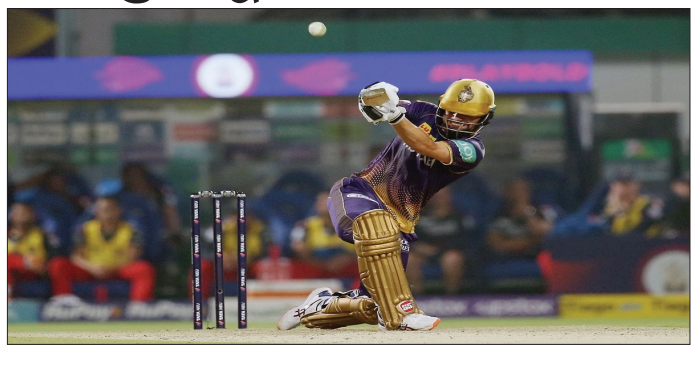

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

परफैक्ट फिगर के लिए आसन

आज महिलाएं अपने सौंदर्य के प्रति जागरूक हो गई हैं और खूबसूरती के लिए आकर्षक फिगर होनी जरूरी है अर्थात छरहरे दिखना और 36-24-36 का कर्वी फिगर पाना। पतला दिखने के चक्कर में वे डाइटिंग का सहारा लेती हैं जिससे आकर्षक दिखने की अपेक्षा बीमार नजर आने लगती हैं।

त्वचा आभाहीन हो जाती है और आंखों के नीचे काले घेरे नजर आने लगते हैं। आकर्षक फिगर का अर्थ है कि आपके शरीर पर अधिक चर्बी न हो। अधिक चर्बी न होने पर आप छरहरी नजर आती हैं और सब के आकर्षण का केन्द्र बन जाती हैं। इसलिए डाइटिंग के जरिए पतली कमर और कर्वी फिगर के सपने को पूरा करने की अपेक्षा योगासनों को अपनाएं, जिनकी मदद से न सिर्फ आप अपने शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम कर सकती हैं, बल्कि इससे आपका शरीर अधिक लचीला और मजबूत होगा। कर्वी फिगर बनाने के लिए शरीर के तीन हिस्सों की टोनिंग पर ध्यान दें-चौड़े कंधे, पतली कमर और कमर के सुडौल निचले हिस्से। इसके लिए आप ऐसे आसनों को रूटीन में करें जो आपके शरीर को परफैक्ट शेप देने में मददगार हो सकते हों।

भुजंगासन

इस आसन से पेट की चर्बी कम होती है, कमर पतली होती है और कंधे चौड़े व बाजू मजबूत होते हैं। शरीर को लचीला और सुडौल बनाने में इसका बहुत महत्व है।

- पहले पेट के बल सीधा लेट जाएं और दोनों हाथों को माथे के नीचे रखें।
- दोनों पैरों के पंजों को साथ रखें।
- अब माथे को सामने की ओर उठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समानांतर रखें जिससे शरीर का भार बाजुओं पर पड़े।
- अब शरीर के ऊपरी हिस्से को बाजुओं के सहारे उठाएं।
- शरीर को स्ट्रैच करें और लंबी सांस लें।
- कुछ पल इसी अवस्था में रहने के बाद वापस पेट के बल लेट जाएं।

सेहत के लिए अनमोल नुस्खे

- सोयाबीन के अधिक सेवन से स्तन कैंसर नहीं होता अत- अपने दैनिक आहार में सोयाबीन के बने पदार्थों का अधिक सेवन करना चाहिए।
- नियमित रूप से जुकाम की शिकायत रहने पर दूब की कोंपलों को तोड़कर उसे चटनी के समान पीस लीजिए और शहद के साथ प्रतिदिन रात्रि में लीजिए। जुकाम एकदम गायब हो जाएगा।
- पेट की किसी भी तरह की शिकायत होने पर गाढ़ा दूध का दलिया, कच्चा नारियल, पेठा व रसगुल्ला खाइए। पेट की बीमारी आपके कब्जे में होगी।
- स्तन पर अनचाहे बालों के होने को गंभीरता से लीजिए। उन्हें काटिए नहीं बल्कि मूंग दाल के उबटन से हल्का-हल्का मसाज करते हुए नियमित प्रयोग से हटा लें। यह ग्रंथि रोग के कारणों से होता है।
- बेर के पत्तों को पीसकर पानी में मथने से जो झाग उठता है, उस झाग को सिर में लगाने से बाल झडने बंद हो जाते हैं।
- अदरक के एक किलो रस में 500 ग्राम तिल का तेल मिलाकर गर्म करिए और जब केवल तेल बचा रहे, उतार कर छान कर बोतल में रखकर बंद कर रख दीजिए। इस तेल से उस अंग पर मालिश कीजिए जहां कहीं भी दर्द होता है।

रिंग फिंगर से करें वजन कम

सूर्य और यूरेनस ग्रह ऐसे हैं, जिनसे स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यूरेनस अंतःज्ञान और बदलाव का प्रतीक है। ऐसे में सूर्य मुद्रा हमारे भीतर के अग्नि तत्व को संचालित करती है। अनामिका सूर्य की अंगुली है, जिसे हम रिंग फिंगर भी कहते हैं। इससे वजन कम होता है।

सूर्य मुद्रा की विधि

सूर्य की अंगुली को हथेली की ओर मोड़कर उसे अंगूठे से दबाएं। बाकी बची तीनों अंगुलियों को सीधा रखें। इसे सूर्य मुद्रा कहते हैं।

मुद्रा के लाभ

- इस मुद्रा का रोज दो बार 5 से 15 मिनट के लिए अभ्यास करने से शरीर का कोलेस्ट्रॉल घटता है।
- वजन कम करने के लिए यह आसान क्रिया चमत्कारी रूप से कारगर पाई गई है।
- पेट संबंधी रोगों में भी यह मुद्रा बहुत लाभदायक है।
- यह जठराग्नि को संतुलित करके पाचन संबंधी तमाम समस्याओं से छुटकारा दिलाती है।
- इसे नियमित करने से बेचैनी और चिंता कम होकर दिमाग शांत बना रहता है।
- यह मुद्रा शरीर की सूजन मिटाकर उसे हल्का और चुस्त-दुरुस्त बनाती है।

ओमेगा-थ्री से बच्चे रहेंगे स्वस्थ

क्या आप बच्चों को ओमेगा-थ्री देते हैं। अगर नहीं तो आज से ही देना प्रारंभ कर दें। इससे बच्चे न केवल हेल्दी होंगे वरन् उनका संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

हम जानते हैं कि हमारे शरीर की जरूरत है अच्छे विटामिन की। पर्याप्त ठोस आहार लेने से हमारे शरीर में आवश्यक पोषण पहुंचता है। बच्चों के अच्छे पोषण के लिए मछली के तेल ओमेगा का सेवन बहुत अच्छा रहता है। मछली के तेल की खुराक के लिए अक्सर उनके रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने और अन्य स्वास्थ्य लाभ अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर में वृद्धि होती है।

बच्चों के लिए मछली तेल

बच्चों को माता-पिता मछली से उत्पादित कोई भी दवा या अन्य चीज नहीं देते, जिससे उनको संपूर्ण आहार मिल सके। मछली तेल ओमेगा-थ्री से बहुत सारे लाभ हैं।

एकाग्रता और याददाश्त में सुधार

मछली तेल के उपयोग से बच्चों में एकाग्रता में सुधार होता है। यह तेल बच्चों की स्मृति समस्याओं को दूर हटाने में एक वरदान है। मछली के तेल में ओमेगा-3 एसिड अल्पकालिक स्मृति हानि के जोखिम को कम करता है।

सीखने की क्षमता बेहतरः मछली के तेल के सेवन से बच्चों की शिक्षा पर उच्च प्रभाव पड़ता है। उनकी याददाश्त क्षमता तेजी से बढ़ती है।

रहता है दिमाग स्वस्थ

देश में मछली का तेल बहुतायत मात्रा में आता है। कई नामी गिरामी कंपनियां यह प्रॉडक्ट बेचती हैं। आप डॉक्टर से परामर्श लेकर बच्चों को रोजाना एक से दो चम्मच तेल नाश्ते या खाने में दे सकते हैं। जिससे बच्चे का दिमाग स्वस्थ रहेगा।

करता है आहार पूर्ति

मछली का तेल पूरे आहार की पूर्ति करता है। चिकित्सकों के अनुसार एडीएचडी-ओमेगा-थ्री स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर है।

कोकीन को दूर हटाता है प्रोप्रानोलॉल

जानवरों पर किए गए प्रयोग से यह साबित होता दिख रहा है कि उच्च रक्तचाप और अवसाद के मरीजों को दी जाने वाली प्रचलित दवा प्रोप्रानोलॉल कोकीन की लत छुड़ाने में मददगार हो सकती है।

मालूम हो कि कोकीन दुनिया के सबसे खराब नशीले पदार्थों में एक है। इसकी गिरफ्त में आए व्यक्ति को इससे निजात पाने में सालों लग जाते हैं और 80 फीसदी लोग ऐसे होते हैं, जो इसे छोड़ने का प्रयास करने के दौरान छह महीने के भीतर बहुत बुरी स्थिति में पहुंच जाते हैं।

चिकित्सा विज्ञान के मशहूर जर्नल न्यूरोसाइकोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा पहली बार साबित हुआ है कि कोकीन के सेवन की आदत से जुड़ी याददाश्तों को चिकित्सकीय उपचार के माध्यम से खत्म किया जा सकता है। इस आदत की याददाश्तों के जेहन में लौटने के कारण ही इसके आदी हो चुके व्यक्ति को इसकी लत की याद आती है और ऐसे वक्त कोकीन नहीं मिलने से उसकी दशा बेहद खराब हो जाती है। इस सम्बंध में जारी शोध में शामिल डेविन म्युलर ने कहा, एफडीए द्वारा मंजूरी प्राप्त दवा कोकीन की लत छुड़ाने के लिए लोगों को दी जाती रही है। यह दवा इस लत को छुड़ाने के लिए तो प्रभावी रही है, लेकिन इससे इस लत को छोड़ने के प्रयास के दौरान जब इसके आदी व्यक्ति की हालत खराब होती है, तब यह दवा बेअसर साबित होती है। दूसरी ओर म्युलर बताते हैं कि प्रोप्रानोलॉल का सकारात्मक प्रभाव कोकीन छोड़ने का प्रयास कर रहे व्यक्ति के शरीर पर दीर्घकाल तक दिखता है। कई मामलों में यह स्थायी भी हो सकता है, क्योंकि इस दवा के नियमित सेवन के बगैर भी मरीज कोकीन के दुष्प्रभावों से निजात पा सकता है।

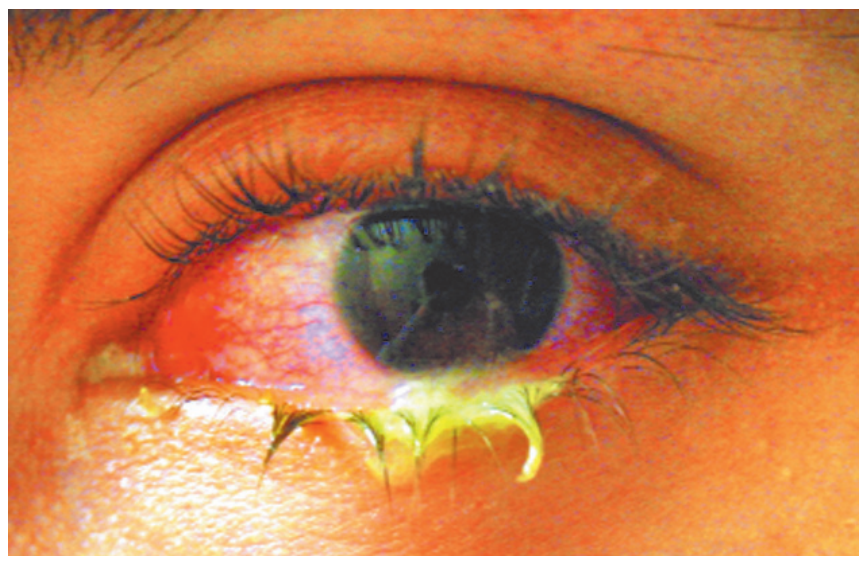

पलकों को प्रभावित करता है ब्लेफेरायटिस

ब्लेफेरायटिस पलकों के किनारे और बरोनियों की केश पुटिका को प्रभावित करता है। ब्लेफेरायटिस एक आम और कभी-कभी लंबा चलने वाला विकार है, जो प्रायः वयस्क व बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है। शिकायत होने पर आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

आपकी त्वचा पर रोससेया या तेल वाली त्वचा पर डेंड्रफ और सूखी आंख से ग्रस्त होते हैं उन्हें इस समस्या होने की ज्यादा संभावना रहती है। पलकों की ग्रंथि जो की बहुत सारा तेल नहीं बना रही हो उनमें ब्लेफेरायटिस जीवाणु का संक्रमण शुरू हो सकता है। यह दशा अत्यधिक संक्रामक नहीं होती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

ब्लेफेरायटिस की ज्यादातर दशा में सुधार तुरंत चालू हो जाता है, अगर एक बार उपचार चालू हो जाए। प्रायः उपचार लंबे समय के लिए चलना चाहिए या समय-समय पर दोहराते रहना चाहिए। ब्लेफेरायटिस दृष्टि में स्थाई नुकसान नहीं करता है।

सम्भावित अवधि

ब्लेफेरायटिस एक चिरकालिक दशा है, जो स्थाई रूप से इलाज करना मुश्किल है, लेकिन ज्यादतर दशा में सही उपचार लक्षण को नियंत्रित कर देता है और दशा को नियंत्रण में रखता है। साथ ही लक्षण समय के साथ बदलते रहते हैं। लंबे समय के लिए गायब हो सकते हैं, वह भी लौटने से पहले महीनों या सालों लग सकते हैं।

ऐसे करें बीमारी से बचाव

पलकों की साफ-सफाई ब्लेफेरायटिस के निर्माण में मदद कर सकता है और प्रायः दशा को नियंत्रित कर सकता है। अगर आपको यह शिकायत है तो आप डॉक्टर के परामर्श पर इलाज शुरू कर सकते हैं।

डॉक्टर से कब सम्पर्क करें

- पलकों या आंख के आसपास की त्वचा में उत्तेजना होने लगे।
- लाल खुजली वाली आंख।
- पलकों के आस पास पपड़ी बन जाए।
- आंखें खुजली करती रहने पर।
- आंखों में लगातार जलन होने पर।
- ऐसा मेहसूस करना कि आपकी आंख में कुछ है, जब आप पलक झपकते हों।
- लाल सूजी सी आंखें होने पर।
- बरोनिया का न होना या बरोनिया का अंदर की तरफ मुड़ना।
- पलकों के किनारे में खुजली होना या किनारे की त्वचा का टूटना।
- अत्यधिक आंसू निकलना।

इजराइली हवाई हमले में 21 फलस्तीनियों की मौत, 64 घायल

गाजा। गाजा पट्टी पर जारी इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 21 फिलीस्तीनी मारे गए, जबकि 64 घायल हो गए। गाजा में फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। गाजा में मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-केदरा ने बुधवार को संवाददाताओं को भेजे एक प्रेस बयान में कहा कि इजरायली मिसाइलों के छर्रे लगने से 12 नागरिकों सहित 21 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और 64 अन्य घायल हो गए। फिलिस्तीनी गुटों के सैन्य अभियानों के गाजा स्थित संयुक्त कक्ष ने बुधवार को दक्षिणी और मध्य इजराइल में रॉकेटों की बौछार करने का दावा किया। जवाबी कार्रवाई में फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के तीन वरिष्ठ सदस्य मारे गए। इजराइली सेना के एक प्रवक्ता ने अपने बयानों में कहा कि इजराइली सेना ने मिसाइलों द्वारा पीजेआई के सैन्य बुनियादी ढांचे से संबंधित दर्जनों सैन्य चौकियों, साइटों और गुर्गों को निशाना बनाया। ?मिली जानकारी के अनुसार दक्षिणी और मध्य इजराइल में गाजा पट्टी से 300 से अधिक रॉकेट और प्रोजेक्टाइल दागे गए थे। इनमें से इजराइली सेना के आयरन डोम ने अधिकांश रॉकेटों को रोक दिया। इस बीच इस्माइल हनीयेह को बुधवार को संयुक्त राष्ट्र, मिस्र और कतर से फोन कॉल प्राप्त हुए, जो बढ़ते तनाव को समाप्त करने के लिए फिलिस्तीनी एन्क्लेव और इजराइल के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं। फोन कॉल के दौरान, हनीयेह ने मध्यस्थों के साथ गाजा के खिलाफ इजराइल की आक्रामकता से निपटने के तरीकों पर चर्चा की।

जापान में 5.4 तीव्रता का भूकंप, कई लोग घायल

तोक्यो । जापान की राजधानी तोक्यो तथा आसपास के इलाकों में गुरुवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसमें कई लोग घायल हो गए। अधिकारियों और मीडिया ने यह जानकारी दी। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गई और इसका केंद्र चीबा प्रांत में था। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। जापान की क्योदो समाचार एजेंसी के अनुसार, भूकंप के कारण चार लोग घायल हो गए। इनमें से एक व्यक्ति छत पर लगी लाइट गिरने से घायल हो गया। कुछ रेल सेवाओं को भी रद्द किया गया या वे विलंब से चल रही हैं। जापान भूकंप के लिहाज से दुनिया के सबसे संवेदनशील देशों में से एक है और देश में 2011 में भूकंप तथा उसके बाद आयी सुनामी में हजारों लोगों की मौत हो गई थी। इसकी वजह से फुकुशिमा परमाणु संयंत्र को भी नुकसान पहुंचा था।

इटली के मिलान में बड़ा विस्फोट, आग की चपेट में आई कई गाड़ियां

इटली के मिलान में बड़े धामके की खबर सामने आई है। मिलान सिटी सेंटर के पास ब्लास्ट हुआ है। आग को बुझाने का प्रयास जारी है। अभी ये पता नहीं चल पाया है कि किस तरह का धमका है। पार्किंग लॉट में गाड़ी खड़ी थी। तभी अचानक इसमें जबरदस्त विस्फोट हुआ है। धमाके के बाद कई गाड़ियां आग की चपेट में आ गई। जान माल के कुछ नुकसान की अभी कोई खबर नहीं सामने आई है। पुलिस ने पूरे इलाके को बंद कर लिया है। वहीं खबर है कि पूरे इलाके को खाली भी कराया जा रहा है। धमाके की जगह मिलान की सेंट्रल लोकेशन पर है और बहुत सारे ऑफिस भी इस इलाके में हैं। आग की लपटों के बढ़ने की वजह से इलाके को खाली कराने की बात सामने आई है।

अफगान महिला कर्मियों का उत्पीड़न हुआ और बनाया गया था बंधक : यूएन की रिपोर्ट

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने वाली महिलाओं पर तालिबान के प्रतिबंध लगाए जाने के बाद से संयुक्त राष्ट्र द्वारा नियुक्त कुछ अफगानी महिलाओं को बंधक बनाया गया, उनका उत्पीड़न किया गया और उनकी आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया। अफगानिस्तान के तालिबान शासकों ने पिछले महीने के शुरू में संयुक्त राष्ट्र को सूचित किया था कि संयुक्त राष्ट्र मिशन में नियुक्त अफगान महिलाएं अब काम पर नहीं जा सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र ने एक दक्षिण एशियाई देश में मानवाधिकार की स्थिति पर एक रिपोर्ट में कहा कि अफगानिस्तान में सार्वजनिक एवं दैनिक जीवन के अधिकांश क्षेत्रों में महिलाओं एवं लड़कियों की भागीदारी को गंभीर रूप से प्रतिबंधित करने के मकसद से वहां के शासकों की भेदभावपूर्ण एवं गैर कानूनी कार्रवाइयों की कड़ी में यह ताजा घटना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान शासकों ने इस साल विरोध करने वाले कई लोगों विशेष रूप से महिलाओं एवं लड़कियों के अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर बोलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में मार्च में शिक्षा तक पहुंच एवं कार्य करने की मंजूरी को लेकर काबुल में प्रदर्शन कर रही चार महिलाओं की गिरफ्तारी और फिर अगले दिन उन्हें रिहा किए जाने का जिक्र किया गया। रिपोर्ट में लड़कियों के स्कूलों को फिर से खोलने की मांग को लेकर अभियान चलाने वाले नागरिक संगठन 'पेनपाथ' की प्रमुख मतिउल्ला वेसा की गिरफ्तारी का भी जिक्र है। रिपोर्ट में फरवरी में उत्तरी ताखार प्रांत में महिला अधिकार कार्यकर्ताओं और उनके भाइयों को गिरफ्तार किए जाने का भी हवाला दिया गया है। सोमवार को जारी एक अलग रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र ने अफगानिस्तान में शासन में आने के बाद से सार्वजनिक रूप से मृत्युदंड देने, दंडित करने और पत्थरबाजी करने के लिए तालिबान की कड़ी निंदा की। रिपोर्ट के अनुसार पिछले छह महीनों में ही अफगानिस्तान में 274 पुरुषों, 58 महिलाओं और दो लड़कों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे गए।

वे ध्यान रखें कि उनके प्रोडक्ट्स सुरक्षित हों : बाइडेन

- एआई के खतरों से आगाह किया अमेरिकी राष्ट्रपति ने

वाशिंगटन । हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई पर काम कर रही टॉप कंपनियों के सीईओ से बातचीत की है। इस बैठक में बाइडेन ने इन कंपनियों से कहा है कि वे ध्यान रखें कि उनके प्रोडक्ट्स सुरक्षित हों।दरअसल, इस बैठक की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि कई दिग्गज लगातार एआई के गलत इस्तेमाल को लेकर सतर्क कर रहे हैं। एआई के गॉडफादर कहे जाने वाले जेफ्री हिंटन ने भी हाल में इसके मिसयूज को लेकर सावधान किया है। जेफ्री ने कुछ दिनों पहले ही गूगल से इस्तीफा दिया है।माना जाता है कि उनकी स्टडी से ही एआई की शुरुआत हुई है।खैर इसकी वजह से होने वाले नुकसान की अभी सिर्फ कल्पना की जा रही है।वहीं कुछ ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जिसमें सीधे तौर पर एआई की वजह से लोगों को नुकसान हुआ है।आइए जानते हैं इनकी डिटेल्स।इस मामले को सीधे तौर पर एआई से जोड़कर नहीं देखना चाहिए।क्योंकि ये गलती एआई की नहीं बल्कि उसे बनाने वाली कंपनी की है, जो खुद गूगल है।माइक्रोसॉफ्ट से जब चैटजीपीटी पावर्ड बिंग सर्च का ऐलान किया, तो गूगल उस रेस में पिछड़ना नहीं चाहता है। कंपनी ने कुछ ही दिनों में बार्ड का ऐलान किया, जो कंपनी का एआई चैटबॉट है।मगर इसके प्रमोशनल वीडियो में ही एक बड़ी गलती सामने आई, जिसकी वजह से कंपनी के शेयर बुरी तरह से टूट गए।वीडियो में बार्ड ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप को लेकर गलत जवाब दिया था।उस वक्त कंपनी को लगभग 100 अरब डॉलर का नुकसान शेयर के टूटने से हुआ था।हाल में ही एमसीएएफईई ने एक सर्वे किया था।इस सर्वे में सामने आया कि एआई वॉयस क्लोनिंग की वजह से बहुत से लोगों ने अपने पैसे गंवाए हैं।इस सर्वे में 7 देशों के 7,054 लोगों ने हिस्सा लिया था। इसमें सामने आया कि 69 फीसदी भारतीय एआई जनरेटेड आवाज और सामान्य आवाज में अंतर नहीं कर पाते हैं।इसकी वजह से उन्हें ठगी का सामना भी करना पड़ा है। सोशल मीडिया और इंस्टैंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स के पॉपुलर होने के साथ ही फेक न्यूज एक बड़ी समस्या बनी हुई है।तमाम सरकारें इससे निपटने के लिए कदम उठा रही हैं, लेकिन अभी तक इसे खत्म नहीं किया जा सका है।एआई के आने के बाद इसका खतरा बढ़ गया है।दरअसल, कई एआई बॉट्स कमाल की तस्वीरें बना सकते हैं। मिड जर्नी स्टेबल डिफ्यूजन और कई दूसरे नाम इस लिस्ट में शामिल हैं।इन बॉट्स की मदद से बनाई गई तस्वीरों को कई लोग सच मान लेते हैं, जबकि ये किसी क्रिएट की कल्पना होती हैं।ऐसे में फेक न्यूज को बड़ी ही आसानी से फैलाया जा सकता है। एआई के आने के बाद सबसे ज्यादा जिस खतरे की बात हो रही है, वो है इसका इंसानों से ज्यादा समझदार हो जाना। ऐसी परस्थिति में एआई अपने कमांड खुद भी तय कर सकता है। वहीं जेफ्री हिंटन ने भी इसी खतरे से लोगों को चेताया है।उन्होंने कहा था कि अगर किसी रोज कोई बुरा शख्स एआई रोबोट्स को अपने गोल सेट करने की आजादी दे देगा, तो क्या होगा।ये रोबोट्स खुद को ज्यादा पॉवरफुल बनाने के सब-गोल्स क्रिएट कर सकते हैं।

चीन में एक कृषि कालेज लायोनिंग एग्रीकल्चर टेक्नीकल कालेज में छात्राओं ने फूलों से सजाने की कला का प्रदर्शन किया।

हाइट हाउस में नयी भूमिका को लेकर काफी उत्साहित हूं : नीरा टंडन

वाशिंगटन । जल्द ही व्हाइट हाउस की घरेलू नीति सलाहकार का पद संभालने वाली भारतीय-अमेरिकी नीरा टंडन ने कहा कि वह प्रशासन में अपनी नयी भूमिका को लेकर ''उत्साहित'' हैं। सार्वजनिक नीति में विशेषज्ञता रखने वाली टंडन व्हाइट हाउस की घरेलू नीति सलाहकार के रूप में सुजैन राइस का स्थान लेंगी। टंडन (52) व्हाइट हाउस में इस प्रभावशाली पद पर नियुक्त होने वाली पहली एशियाई-अमेरिकी नागरिक हैं। वह अभी राष्ट्रपति जो बाइडन की वरिष्ठ सलाहकार तथा स्टाफ सचिव हैं। टंडन ने बुधवार को 'एएपीआई विक्ट्री फंड' द्वारा आयोजित 'एएएनएचवीआई विमेंस सेलीब्रेशन' में अपने संबोधन में कहा, ''मैं व्हाइट हाउस में अपनी नयी भूमिका को लेकर बहुत उत्साहित हूं और मैं प्रशासन का हिस्सा बनकर काफी रोमांचित हूं जिसमें कई एएएनएचपीआई (एशियाई अमेरिकी, मूल हवाई और प्रशांत द्वीप वासी) नेता हैं, कई सारी एएएनएचपीआई महिला नेता हैं... कई सारे नेता हैं जो हमारे समुदाय की बड़ी विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं।'' टंडन ने ओबामा तथा क्लिंटन दोनों प्रशासनों में काम किया है। वह राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार तथा कई थिंक टैंक भी काम कर चुकी हैं।

अब अराजक स्थिति में पहुंच चुका है पाकिस्तान, देश गृह युद्ध की ओर

पंजाब प्रांत में 14 सरकारी भवनों व 21 पुलिस वाहनों को किया आग के हवाले

- सेना तैनात, अब तक 7 लोगों की मौत, 300 घायल

-पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में हालात बेकाबू

बलूचिस्तान में सेना तैनात की गई है।

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद देश में हालात बेकाबू हो गए हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में इमरान की गिरफ्तारी के एक दिन बाद बुधवार को भी पाकिस्तान के कई शहरों में हिंसा भड़की और हालात तनावपूर्ण रहे। पिछले 24 घंटे के दौरान कई शहरों में इमरान खान के समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में कम-से-कम 7 लोगों की मौत हो गई और लगभग 300 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में इमरान की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने पंजाब में 14 सरकारी भवनों और प्रतिष्ठानों में आग लगा दी। उन्होंने 21 पुलिस वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) समर्थकों के साथ झड़प में 130 अधिकारी और सुरक्षा बलों के कर्मचारी घायल हो गए। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पंजाब, खैबर-पख्तूनख्वा और

पीएम आवास पर 500 से अधिक प्रदर्शनकारी पहुंचे और कई वाहनों को फूंक दिया

राजधानी इस्लामाबाद में भी सेना को उतार दिया गया है। प्रदर्शनकारियों ने लाहौर में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आवास पर हमला कर दिया। पुलिस ने मीडिया को बताय कि 500 से अधिक प्रदर्शनकारी बुधवार तड़के प्रधानमंत्री आवास पर पहुंचे और वहां रखे वाहनों को फूंक दिया। आवासीय परिसर में उन्होंने पेट्रोल बम फेंका और पुलिस बूथ को आग के हवाले कर दिया।इमरान की गिरफ्तारी से नाराज समर्थकों ने मंगलवार को सेना मुख्यालय पर धावा बोल दिया था। उन्होंने सैन्य वाहनों और प्रतिष्ठानों पर हमला करते हुए लाहौर कोर कमांडर के आवास में आग लगा दी थी। पीटीआइ ने गिरफ्तारी की निंदा करते हुए बुधवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का एलान किया।

वाशिंगटन में भी पाकिस्तान दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन

मीडिया के अनुसार पीटीआई नेतृत्व ने जनता से अपील की है कि वे बढ़ते फासीवाद के खिलाफ सड़कों पर उतरें और समर्थकों को बताएं कि निर्णायक लड़ाई का क्षण आ गया है। इमरान की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही देशभर में इसका विरोध शुरू हो गया। उनके समर्थकों ने लाठी-डंडों से लैस होकर पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय सहित सुरक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के खिलाफ वाशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इमरान खान की रिहाई की मांग की और यहां तक कि मुख्य न्यायाधीश और सेना के जनरलों के खिलाफ नारे भी लगाए।

प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा ऐतिहासिक, दुनिया के लिए बेहतर: संधू

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले महीने होने वाली अमेरिका यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे यह पता चलेगा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी जन-केंद्रित और बड़े पैमाने पर दुनिया के लिए अच्छी है। संधू ने कहा ?कि प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रपति जो बाइडन के निमंत्रण पर अमेरिका की आगामी आधिकारिक राजकीय यात्रा ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बाइडन ने एक साथ मिलकर हमारे द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा तथा गति प्रदान की है। भारतीय राजदूत ने कहा कि यह यात्रा दोनों नेताओं के लिए एक साथ वक्त बिताने, प्रगति की समीक्षा करने तथा भविष्य की असंख्य संभावनाओं पर मार्गदर्शन करने का अवसर होगी। यह यात्रा दिखाएगी कि भारत-अमेरिका साझेदारी जन-केंद्रित है और न केवल दोनों देशों के लिए बल्कि बड़े पैमाने पर दुनिया के लिए भी अच्छी है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री की यात्रा की अवधि का ब्योरा नहीं दिया गया। बाइडन के निमंत्रण पर मोदी की यात्रा के बारे में व्हाइट हाउस की घोषणा का व्यापक पैमाने पर स्वागत किया गया। भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने कहा कि मुझे खुशी है कि व्हाइट हाउस ने प्रधानमंत्री को राजकीय यात्रा पर आमंत्रित किया है जिससे हमारे देशों के बीच सामरिक साझेदारी मजबूत करने में मदद मिलेगी। यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम के अध्यक्ष मुकेश आघी ने कहा कि जून में मोदी की यात्रा द्विपक्षीय साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाने का एक बेहतरीन अवसर होगी।

डेमोक्रेटिक ने ग्रीन कार्ड के लिए देशों का कोटा खत्म करने के मकसद से नागरिकता विधेयक पेश किया

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका में सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने बुधवार को एक नागरिकता विधेयक पेश किया जिसमें ग्रीन कार्ड के लिए देशों का कोटा खत्म करने तथा एच-1बी वीजा प्रणाली में बदलावों का प्रावधान है। कांग्रेस सदस्य लिंडा सांचेज द्वारा पेश 'यूएस नागरिकता कानून 2023' में सभी 1.1 करोड़ अप्रमाणित आव्रजकों को नागरिकता देने की रूपरेखा बनायी गयी है। इसमें हर देश की सीमा को खत्म करके रोजगार आधारित आव्रजन प्रणाली में बदलावों का भी प्रस्ताव दिया गया है। इस विधेयक से अमेरिकी विश्वविद्यालयों से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित में डिग्री हासिल करने वालों के लिए देश में रहना आसान हो जाएगा।

साथ ही इससे कम वेतन वाले उद्योग में काम रह रहे लोगों के लिए ग्रीन कार्ड हासिल करने, एच-1बी वीजा धारकों पर निर्भर लोगों को देश में काम करने की मंजूरी देने तथा एच-1बी वीजा धारकों के बच्चों को इस प्रणाली से बाहर रखने से रोकने में मदद मिलेगी। कांग्रेस सांसद सांचेज ने कहा, ''मेक्सिको के आव्रजक अभिभावकों की बेटी के रूप में, मैं यूएस नागरिकता कानून पेश करके सम्मानित महसूस कर रही है जो एक साहसी, परिवर्तनकारी रूपरेखा है जिससे हमारी आव्रजन प्रणाली में कमियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच कम हो रहा तनाव, ईयू के दूसरे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगे विदेश मंत्री एस जयशंकर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर यूरोपीय संघ (ईयू) के दूसरे हिंद प्रशांत मंत्रिस्तरीय मंच (इंडो पैसिफिक मिनिस्ट्रियल फोरम) में हिस्सा लेंगे। मेजबानी 13 मई को स्वीडन द्वारा की जानी है। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर बांग्लादेश (11-12 मई 2023), स्वीडन (13-15 मई 2023) और बेल्जियम (15-16 मई 2022) की आधिकारिक यात्रा करेंगे। स्वीडन में विदेश मंत्री दूसरे ईयू इंडो-पैसिफिक मिनिस्ट्रियल फोरम में भाग लेंगे। वो ईआईपीएमएफ से इतर कई देशों के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। अपने प्रवास के दौरान वह स्वीडन में नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और प्रमुख मंत्रियों से मुलाकात करेंगे।

वह अपने स्वीडिश समकक्ष: के साथ भारत त्रिपक्षीय फोरम (भारत, यूरोप और अमेरिका) के उद्घाटन सत्र में भी भाग लेंगे। यात्रा के अंतिम चरण में, विदेश मंत्री बेल्जियम और यूरोपीय संघ के अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों के लिए ब्रसेल्स का दौरा करेंगे। वो वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल और रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी के साथ भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की पहली मंत्रिस्तरीय बैठक में भी भाग लेंगे। बता दें कि टीटीसी मंत्रिस्तरीय बैठक 16 मई को होने वाली है। ईयू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम करीब 60 प्रतिभागियों की उच्च स्तर की भागीदारी से खुश हैं और इस बात को जोर देकर बताना चाहते हैं कि जी-20 के अध्यक्ष जयशंकर भारत की ओर से मौजूद रहेंगे।

फिर आतंकियों के साथ खड़ा हुआ चीन, मसूद अजहर के लिए भाई के लिए यूएन में भारत के प्रस्ताव का किया विरोध

वाशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी अब्दुल रऊफ अजहर को काली सूची में डालने के भारत के प्रस्ताव पर चीन ने आपत्ति जताई है। जैश सरगना मसूद अजहर का भाई अब्दुल रऊफ का जन्म 1974 में पाकिस्तान में हुआ था। भारत में कई आतंकी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में शामिल रहा है, जिसमें 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान आईसी814 का अपहरण, 2001 में संसद पर हमला, 2016 में पठानकोट में आईएएफ बेस को निशाना बनाना शामिल है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल और अल कायदा प्रतिबंध सूची में जेईएम के अब्दुल रऊफ को जोड़ने के भारत के प्रस्ताव पर चीन ने आपत्ति जताई थी। रउफ अजहर पर अमेरिका ने दिसंबर 2010 में प्रतिबंध लगाया था। पिछले साल अगस्त में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक स्थायी, वीटो-धारक सदस्य चीन ने रऊफ अजहर को वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित करने और उसकी संपत्ति जब्त करने, यात्रा प्रतिबंध और उसके अधीन करने के भारत और अमेरिका के प्रस्ताव पर रोक लगा दी थी।

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को बेलआउट पैकेज नहीं मिलने का सता रहा डर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कठिन आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को बेलआउट पैकेज नहीं मिला तो भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। क्योंकि डिफॉल्ट होने की कगार पर खड़ा पाकिस्तान इतिहास के सबसे गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। ऐसे वक्त में जब पाकिस्तान बेलआउट पैकेज के लिए आईएमएफ के आगे गिड़गिड़ा रहा है, एक हिंसक राजनीतिक संकट का जन्म हुआ है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद से पीटीआई समर्थक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और देश जल रहा है। विश्लेषकों की मानें तो यह लंबे समय से अटके बेलआउट पैकेज को हासिल करने की पाकिस्तान की संभावनाओं को कम कर देगा। अगर वक्त रहते पाकिस्तान को यह राशि हासिल नहीं हुई तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। पाकिस्तान की प्रमुख एंटी-करप्शन एजेंसी एनएबी ने मंगलवार को इमरान को गिरफ्तार कर लिया था जिसके बाद देश भर में पीटीआई समर्थकों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। वर्तमान राजनीतिक संकट ऐसे समय पर सामने आया है जब देश इतिहास में अपने सबसे बुरे आर्थिक दौर से गुजर रहा है। यहां गृहयुद्ध जैसे हालात बन गए हैं। राजनीतिक और आर्थिक संकट के बीच सबसे ज्यादा खतरा देश के परमाणु बमों पर मंडरा रहा है।

पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार कम होता जा रहा है और 6.5 बिलियन डॉलर का आईएमएफ कार्यक्रम आगे बढ़ने का नाम नहीं ले रहा है, जो जून में खत्म हो जाएगा। ऊपर से इस साल देश में कई चुनाव होने हैं। वरिष्ठ अर्थशास्त्री गैरेथ लेदर ने कहा कि सड़कों पर प्रदर्शनकारियों के बीच, आईएमएफ ऋण सौदे को फिर से शुरू करने को लेकर और अधिक सतर्क होगा। पिछले साल हुए सत्ता परिवर्तन, जब इमरान खान को कुर्सी से हटाकर शहबाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री बने उसके बाद से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और बाजारों की हालत चरमरा गई है। पाकिस्तान का रुपया पिछले 12 महीनों में

लगभग 50 फीसदी कमजोर हो चुका है। बुधवार को पाकिस्तानी रुपया डॉलर के मुकाबले 289.5 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है। अगर आईएमएफ का समर्थन नहीं मिला तो परमाणु हथियारों से संपन्न देश डिफॉल्ट के जोखिम का सामना कर सकता है।

छह दिन में द केरल स्टोरी ने कमाए 70 करोड़

मुंबई। फिल्म द केरल स्टोरी ने कुल छह दिनों में ही 70 करोड़ की कमाई कर ली है। फिल्म की रफ्तार बॉक्स ऑफिस पर थमने का नाम नहीं ले रही। बुधवार को फिल्म से जितनी कमाई की उम्मीद की गई थी, उसका आंकलन एकदम सटीक बैठा है। सोमवार को 7.72 फीसदी ग्रोथ देखी गई। कम बजट में बनी यह फिल्म अब जल्द ही 100 करोड़ क्लब में पहुंचती दिख रही है। बॉक्स ऑफिस पर द केरल स्टोरी ब्लॉकबस्टर साबित हो चुकी है। मूवी पर अभी वेस्ट बंगाल में बैन लगा है और तमिलनाडु में भी स्क्रीनिंग नहीं हो रही है। इसके बावजूद फिल्म की 6 दिन की टोटल कमाई 70 करोड़ के करीब पहुंचने वाली है। अदा शर्मा स्टारर फिल्म द केरल स्टोरी बॉक्स ऑफिस पर पैसों की बारिश कर रही है। फिल्म का बजट 15 करोड़ के आसपास बताया जा रहा है। मूवी अब तक 68 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। इस लिहाज से फिल्म ब्लॉक बस्टर हो चुकी है। बिजनस ऐनालिस्ट तरण आदर्श ने फिल्म के 6 दिन के कलेक्शन पर ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है, द केरल स्टोरी को न कोई मात दे सकता है और न कोई रोक सकता है। वीकडेज पर भी इसकी रफ्तार जारी है। शुक्रवार को 8.03 करोड़, शनिवार को 11.22 करोड़, रविवार को 16.40 करोड़, सोमवार को 10.07 करोड़, मंगलवार को 11.14 करोड़, बुधवार को 12 करोड़ टोटल इंडिया बिजनस किया गया। ब्लॉकबस्टर की वीकडेज पर ग्रोथ- सोमवार को 25.40 फीसदी, मंगलवार को 10.63 फीसदी, बुधवार को 7.72 फीसदी रही। तरण ने लिखा है कि फिल्म का ट्रेंड बढ़िया चल रहा है। बता दें कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में फिल्म बैन होने पर सुनवाई 12 तारीख यानी शुक्रवार को होगी। फिल्म की कहानी धर्मांतरण पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे लड़कियों को बहलाकर उन्हें मुस्लिम बनाया गया। इसके बाद उन्हें आतंकी संगठन को सौंप दिया गया। मेकर्स का दावा है कि कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है।

गलती से लगी आग में जलकर सैनिक की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में गुरुवार को गलती से लगी आग में जलकर एक सैनिक की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्थानीय आर्मी यूनिट के लांस नायक जसबीर सिंह की तैनाती पुंछ जिले के मेंधर इलाके में नियंत्रण रेखा के पास थी। उसके अपने ही हथियार से लगी आग में वह घायल हो गया। सूत्रों ने बताया, उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। जांच अभी जारी है।

अमेरिका में मॉल में गोलीबारी में मारी गई महिला का शव भारत पहुंचा

हैदराबाद। अमेरिका के एक मॉल में 6 मई को सामूहिक गोलीबारी में मारी गई 27 वर्षीय ऐश्वर्या थाटिकोंडा के पार्थिव शरीर को भारत लाया गया है। पार्थिव शरीर देर रात हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंचा। हैदराबाद की महिला इंजीनियर उन नौ लोगों में शामिल थी, जो डलास के पास एक मॉल में सामूहिक गोलीबारी में मारे गए थे। डलास के पास मॉल में एक बंदूकधारी द्वारा की गई गोलीबारी में ऐश्वर्या और आठ अन्य की मौत हो गई थी। हैदराबाद के सरूरनगर इलाके की रहने वाली ऐश्वर्या में परफेक्ट जनरल कॉन्ट्रैक्टर्स एलएलसी नाम की कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर के तौर पर काम कर रही थी। उनके पिता नरसी रेड्डी रंगारेड्डी जिला अदालत में जज के रूप में काम करते हैं। परिवार पार्थिव शरीर को लाने के लिए अमेरिका जाने की योजना बना रहा था। हालांकि, तेलुगू एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (टीएएनए) ने विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से शव को भेजने की व्यवस्था की।

मुंबई में 10 दिन में 7 करोड़ का ड्रग्स जब्त, 350 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई को नशामुक्त करते हुए इस बात का ध्यान रखें कि प्रदेश के अन्य हिस्सों में तो यह नहीं फैल गया है और इस पर सतर्क रहते हुए कार्रवाई करें। साथ ही जन जागरूकता के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय, राज्य आबकारी विभागों की संयुक्त बैठक करने के भी निर्देश मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिए. दरअसल पिछले सप्ताह के दौरान, मुंबई पुलिस एवं मुंबई मनपा की ओर से रेलवे स्टेशनों पर ड्रग्स बेचने वाले पान दुकानदारों, हॉकर्स, तथा रेलवे स्टेशनों पर हॉकर्स के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस अभियान के तहत स्कूलों और कॉलेजों के पास 1371 पान स्टॉल पर कार्रवाई की गई। ई-सिगरेट मामले में 7391 लोगों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। फुटपाथ पर 6263 हॉकर्स और रेलवे स्टेशनों पर 2819 हॉकर्स के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। इस बैठक में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद लिमये, पुलिस महानिदेशक रजनीश सेठ, मुंबई के पुलिस आयुक्त विवेक फनसालकर, विशेष पुलिस आयुक्त देवेन भारती, मुंबई मनपा आयुक्त आई.एस.चहल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव बृजेश सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई को नशामुक्त करते हुए यह देखा जाए कि कहीं यह बड़े पैमाने पर प्रदेश के अन्य हिस्सों में तो नशा का कारोबार नहीं फैल गया है। मुख्यमंत्री ने जन जागरूकता के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय, राज्य आबकारी विभागों की संयुक्त बैठक करने के भी निर्देश दिए. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने मुंबई महानगर के स्कूलों से जन जागरूकता अभियान में भाग लेने और नशा विरोधी अभियान को जन आंदोलन बनाने की अपील की। मुख्यमंत्री शिंदे ने नशीले पदार्थों की सप्लाई रोकने के लिए केंद्रीय एजेंसियों की मदद लेने के भी निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि नशे की लत युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रही है और इसे रोकने के लिए जन जागरूकता अभियान चलायें। नशा तस्करों व सप्लायरों के खिलाफ कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई बैठक में नशा मुक्त मुंबई की समीक्षा की गई. पिछले दस दिनों में करीब 7 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई है और एक हफ्ते के अंदर ही मुंबई पुलिस ने विभिन्न जगहों से 350 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है. इस बैठक में मुख्यमंत्री ने इस अभियान को और प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मिशन थर्टी डेज अभियान चलाने के निर्देश दिए.

जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के दो मददगार पकड़े

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से एक आईईडी समेत हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर जिले के सोपोर में सैदपोरा बाईपास क्षेत्र के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों के मौजूद होने की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान घेरा तोड़ने की कोशिश कर भागने का प्रयास कर रहे दो लोगों को पकड़ा गया। प्रवक्ता ने बताया कि उनकी पहचान सैदपोरा के बहल मोहल्ला निवासी कैसर मंजूर मीर और शालपोरा के रहने वाले मुजफ्फर मजीद मीर के रूप में हुई है। प्रवक्ता ने कहा कि पूछताछ के दौरान, दोनों गिरफ्तार लोगों ने कबूल किया कि वे सोपोर के ब्रथ कलां के स्थानीय सक्रिय आतंकवादी बिलाल अहमद मीर के सहयोगियों के रूप में काम कर रहे थे, जो प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर से जुड़ा हुआ है। प्रवक्ता ने कहा कि उनके कब्जे से पिस्तौल की 15 गोलियां, एके-47 की 25 गोलियां, एक आईईडी और दो हथगोले आदि बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

यूट्यूबर मनीष कश्यप 11 महीने और जेल में रहेंगे!

पटना। बिहार के यूट्यूबर मनीष कश्यप की मुश्किलें और बढ़ती जा रही है। कम से कम उन्हें 11 महीने जेल में काटने होंगे। तमिलनाडु के राज्यपाल रवींद्र नारायण रवि ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाने की मंजूरी दे दी। इसका मतलब ये हुआ कि कम से कम 12 महीने न्यायिक हिरासत में रहना होगा। इसके बाद ही जमानत की कोई संभावना है। फेक वीडियो बनाने और सोशल साइट यूट्यूब पर प्रसारित करने के आरोप में मनीष कश्यप की मुश्किलें बढ़ गई। मनीष कश्यप पर कानून का शिकंजा और कस गया। तमिलनाडु में प्रवासी बिहार के लोगों पर कथित हिंसा का फर्जी वीडियो शेयर करने का आरोप मनीष कश्यप पर लगा है। बाद में ये मामला सियासी हो गया था। तमिलनाडु राजभवन से मनीष कश्यप पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाने की मंजूरी मिल गई। यूट्यूबर मनीष पर एनएसए के तहत केस दर्ज किया गया है। मदुरै कोर्ट ने पहले से दर्ज केस में मनीष की न्यायिक हिरासत पहले ही बढ़ा दी थी। अब नया केस दर्ज होने के बाद मनीष को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ सकता है। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दर्ज केस में मनीष कश्यप लंबे समय तक हिरासत में रखा जा सकता है। इस केस में तीन माह तक जमानत मिलने की कोई संभावना नहीं है।

समलैंगिक विवाह की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने गुरुवार को समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग करने वाली दलीलों के एक बैच पर फैसला सुरक्षित रख लिया। बेंच में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एसके कौल, एसआर भट, हेमा कोहली और पीएस नरसिम्हा शामिल थे। केंद्र ने कल (बुधवार) सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसे समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने की याचिका पर सात राज्यों से जवाब मिला है। तीन राज्यों राजस्थान, असम और आंध्र प्रदेश ने याचिका का विरोध किया है, जबकि शेष चार सिक्किम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मणिपुर ने और समय मांगा है। इससे पहले मंगलवार को कोर्ट ने कहा है कि शादी एक संवैधानिक अधिकार है न कि महज वैधानिक अधिकार है।

केंद्र ने इससे पहले सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाली दलीलों पर उसके द्वारा की गई कोई भी संवैधानिक घोषणा कार्रवाई का सही तरीका नहीं हो सकती है क्योंकि अदालत पूर्वाभास, परिकल्पना करने में सक्षम नहीं होगी। इसके दुष्परिणामों को समझें और उनसे निपटें। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ नौवें दिन समान-लिंग विवाह के लिए कानूनी मंजूरी मांगने वाली याचिकाओं के एक बैच पर बहस सुन रही थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश सौरभ किरपाल ने कोर्ट के समक्ष कहा कि हम केवल सेम सेक्स मैरिज के तहत आधिकारिक दस्तावेज मांग रहे हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सौरभ किरपाल ने कहा कि इस देश में एक समान नागरिक होने का विचार था हर किसी के समान अधिकार होना। एक निर्वात में विवाह की घोषणा- को किसी भी दो लोगों के जीवन के व्यावहारिक प्रभाव में औपचारिक रूप दिया जाना चाहिए। किरपाल ने कोर्ट में कहा कि हम केवल एसएमए के तहत एक आधिकारिक दस्तावेज की मांग कर रहे हैं। हमारे लिए इतना ही काफी है। हमें सामाजिक घोषणा मिलेगी। हम केवल धारा 4 के तहत एक घोषणा की मांग कर रहे हैं और वह पर्याप्त होनी चाहिए। विषमलैंगिकों के लिए एसएमए अव्यवहारिक नहीं होगा। ऐसे पहलू हैं जो अव्यवहार्य हो सकते हैं। लेकिन कुछ नहीं से थोड़ा असाध्य बेहतर है। और कुछ भी नहीं है जो हमारे पास था।

लंबे संघर्ष के बाद अरविंद केजरीवाल के जज्बे को मिली जीत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के अहम फैसले के बाद आम आमी पार्टी के रास सांसद संजय सिंह ने इसे अरविंद केजरीवाल के जज्बे की जीत बताया है। गौरतलब है कि आज एक अहम फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि दिल्ली का असली बॉस कौन होगा। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संवैधानिक पीठ ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार को अफसरों का ट्रांसफर और पोस्टिंग का अधिकार है। कोर्ट के इस फैसले को दिल्ली सरकार की जीत के रूप में देखा जा रहा है। अदालत ने साफ किया कि जमीन, कानून-व्यवस्था और पुलिस का अधिकार केंद्र के पास ही रहेगा। इस फैसले के बाद आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा, लंबे संघर्ष के बाद जीत, अरविंद केजरीवाल जी के जज्बे को नमन। दिल्ली की दो करोड़ जनता को बधाई। सत्यमेव जयते। इसी तरह आम आदमी पार्टी के विधायक और कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने ट्वीट करते हुए कहा कि ये जनता की जीत है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 8 साल तक दिल्ली की जनता की लड़ाई अदालत में लड़ी। और आज जनता जीत हो गई। वहीं कैबिनेट मंत्री आतिशी ने ट्वीट कर कहा, सत्यमेव जयते! सालों की लड़ाई के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल सरकार को उसका हक़ दिलवाया है। दिल्ली की जनता के काम में अब कोई अड़ंगा नहीं लगा पाएगा। ये ऐतिहासिक निर्णय दिल्ली की जनता की जीत है। अब दिल्ली दुगनी गति से तरक़्क़ी करेगी।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, अफसरों को मानना होगा दिल्ली सरकार का हुकुम

- संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा, चुनी हुई सरकार को प्रशासनिक शक्तियां मिलनी चाहिए?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब दिल्ली में सरकारी अफसरों को दिल्ली सरकार का हुकुम मानना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने दिल्ली सरकार के अधिकार सुरक्षित कर दिए हैं। दिल्ली में अफसरो के ट्रांसफर-पोस्टिंग के अधिकार को लेकर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि अफसरों की पोस्टिंग और ट्रांसफर का अधिकार दिल्ली सरकार के पास होगा। फैसला सुनाने से पहले सीजेआई ने कहा कि ये फैसला सभी जजों की सहमित से लिया गया है। संविधान पीठ ने कहा कि पुलिस, पब्लिक आर्डर और लैंड संबंधित शक्तियां केंद्र के पास होगी। फैसला पढ़ने से पहले सीजेआई ने कहा कि ये बहुमत का फैसला है। दिल्ली सरकार की शक्तियों को सीमित करने के लिए केंद्र की दलीलों से निपटना आवश्यक है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि ये मामला सिर्फ सर्विसेज पर नियंत्रण का है। सीजेआई ने कहा कि चुनी हुई सरकार को प्रशासन चलाने की शक्तियां मिलनी चाहिए अगर ऐसा नहीं होता तो यह संघीय ढांचे के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। अधिकारी जो अपनी ड्यूटी के लिए तैनात हैं उन्हें मंत्रियों की बात सुननी चाहिए अगर ऐसा नहीं होता है तो यह सिस्टम में बहुत बड़ी खोट है। चुनी हुई सरकार में उसी के पास प्रशासनिक व्यस्था होनी चाहिए। अगर चुनी हुई सरकार के पास ये अधिकार नही रहता तो फिर ट्रिपल चेन जवाबदेही की पूरी नही होती।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि एनसीटी एक पूर्ण राज्य नही है। ऐसे में राज्य पहली सूची में नही आता। एनसीटी दिल्ली के अधिकार दूसरे राज्यों की तुलना में कम है। संविधान पीठ में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एमआर शाह, जस्टिस कृष्ण मुरारी, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा शामिल हैं। दरसअल दिल्ली में प्रशासनिक सेवाएं किसके नियंत्रण में होंगी, इस पर सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने 14 फरवरी 2019 को एक फैसला दिया था लेकिन, उसमें दोनों जजों का मत फ़ैसले को लेकर अलग अलग था। लिहाजा फैसले के लिए तीन जजों की बेंच गठित करने के लिए मामले को चीफ जस्टिस को रेफर कर दिया गया था। इसी बीच केंद्र ने दलील दी थी कि मामले को और बड़ी बेंच यानी संविधान पीठ को भेजा जाए।

इसके पूर्व 4 जुलाई 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने उपराज्यपाल बनाम दिल्ली सरकार विवाद में कई मसलों पर फैसला दिया था, लेकिन सर्विसेज यानी अधिकारियों पर नियंत्रण जैसे कुछ मुद्दों को आगे की सुनवाई के लिए छोड़ दिया था, जिसके बाद 14 फरवरी 2019 को इस मसले पर 2 जजों की बेंच ने फैसला दिया था, लेकिन दोनों न्यायमूर्तियों, का निर्णय अलग-अलग था। इसके बाद मामला 3 जजों की बेंच के सामने लगा। फिर केंद्र के कहने पर आखिरकार चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने मामला सुना। हालांकि दिल्ली सरकार ने दलील दी कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ कह चुकी है कि भूमि और पुलिस जैसे कुछ मामलों को छोड़कर बाकी सभी मामलों में दिल्ली की चुनी हुई सरकार की सर्वोच्चता रहेगी यानी नियंत्रण सरकार का रहेगा। वहीं केंद्र सरकार ने कहा था कि गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी ऑफ दिल्ली एक्ट में किए गए संशोधन से स्थिति में बदलाव हुआ है।

ब्रिटेन में भारतीय छात्रों की संख्या दुनिया के बाकी देशों से ज्यादा : एलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनीपत (ईएमएस)। ब्रिटेन में भारतीय छात्रों की संख्या चीन सहित दुनिया के बाकी देशों से ज्यादा है। भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने भारत-ब्रिटेन संबंधों पर एक विशिष्ट सार्वजनिक व्याख्यान में यह बात कही। उन्होंने कहा, हमारे दोनों देशों के लोगों के बीच असाधारण संबंध हैं। इसके बावजूद भारत-ब्रिटेन संबंधों को और गहरा करने की गुंजाइश है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मामले, कानून एवं अन्य विषयों के छात्रों को संबोधित कर उन्हें दुनिया के दो महत्वपूर्ण लोकतंत्रों के बीच संबंधों के कूटनीतिक और रणनीतिक दृष्टिकोण के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, भारत और ब्रिटेन इंसानी स्तर पर जुड़ते हैं। हम दुनिया की पांचवीं और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, भारत 2030 तक दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। हम एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं। यह काफी महत्वपूर्ण है कि हम आर्थिक मूल्य के साथ-साथ रणनीतिक मूल्य भी देखते हैं। राष्ट्रों के रूप में हम दुनिया की कुछ सबसे बड़ी समस्याओं से निपटने की कोशिश करने और विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन! हम पहले ही दिखा चुके हैं कि हमने महामारी के दौरान कोविशील्ड वैक्सीन के अनुसंधान और उत्पादन में कितना अच्छा सहयोग किया है।

इसके बाद उच्चायुक्त ने भू-राजनीतिक रणनीतिक अनिवार्यताओं पर प्रकाश डाला जो भारत-ब्रिटेन संबंधों को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा, व्यापार और निवेश, क्षेत्रीय और भारत-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा भी पर भी चर्चा आगे बढ़ेगी। लेकिन मानवीय संबंध ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैं चाहूंगा कि भारत की वास्तविकता को समझने के लिए और अधिक ब्रिटिश भारत आएं। उन्होंने भारत और ब्रिटेन के बीच के साझा इतिहास के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां एक राजनयिक के रूप में उन्हें ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं का विशेष ध्यान रखना था लेकिन उन्होंने समकालीन परिणामों को भी देखा। अपने व्यापक व्याख्यान में उच्चायुक्त ने भूगोल, संस्कृति, भाषा, खानपान, क्रिकेट और जिस देश में आप रहते हैं, उसके प्रति सम्मान दिखाने जैसे विषयों पर भी बात की।

भारत के आत्मसम्मान के खिलाफ उठाए गए हर कदम का मुंहतोड़ जवाब देंगे: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि 1998 में देश के परमाणु परीक्षण ने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत भले ही एक शांतिप्रिय देश है लेकिन वह आत्मसम्मान के खिलाफ उठाए गए किसी भी कदम को बर्दाश्त नहीं करेगा। सिंह ने यहां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा नालंदा में शिक्षा केंद्र और सोमनाथ में सांस्कृतिक प्रतीक को तबाह किए जाने के बाद भारत ने इतिहास से सबक सीखा है। सिंह ने 1998 के पोकरण-द्वितीय परमाणु परीक्षण की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित समारोह में कहा, ''हमने इतिहास से सबक सीखे हैं और संकल्प लिया है कि हम इस तरह के इतिहास को दोहराने की अनुमति नहीं देंगे।'

रक्षा मंत्री ने कहा, ''भारत के परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को संदेश दिया है कि हम भले ही एक शांतिप्रिय राष्ट्र हैं, लेकिन हम नालंदा को फिर से जलता हुआ नहीं देखेंगे। हम सोमनाथ जैसे अपने सांस्कृतिक प्रतीक को फिर से बर्बाद किया जाना बर्दाश्त नहीं करेंगे।'' सिंह ने कहा, ''हम अपने आत्मसम्मान के खिलाफ उठाए गए हर कदम का मुंहतोड़ जवाब देंगे।'' इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह और शीर्ष वैज्ञानिक भी उपस्थित थे।

बारिश थमने के बाद फिर बढ़ी गर्मी, अब तबाही मचाएगा चक्रवात मोचा!

-दिल्ली में 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बारिश थमने के बाद देशभर में एक बार फिर गर्मी अपना प्रकोप दिखा रही है। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में मौसम गर्म रहने के आसार बने हुए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को अनुमान लगाया कि देश की राजधानी दिल्ली में आगामी दो से तीन दिन में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है, लेकिन अभी एक और सप्ताह तक भीषण गर्मी एवं लू चलने की संभावना नहीं है। मैदानी इलाकों के बारे में तो उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पारा 40 डिग्री पार जा सकता है और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री का अनुमान है। धूप खिली रहने के साथ लखनऊ में आसमान साफ रहेगा। दिल्ली-एनसीआर में भी मौसम की स्थिति वैसी ही रहेगी। नोएडा में अधिकतम 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री तापमान दर्ज किया जा सकता है।

भारतीय मौसम विज्ञान ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के शुक्रवार तक जबरदस्त चक्रवाती तूफान में तब्दील होने के आसार जताए हैं। मौसम विभाग की ओर से जारी बयान में बताया गया कि इस दबाव क्षेत्र के चक्रवाती तूफान में बदलने के आसार हैं। बयान में बताया गया कि खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र कुछ समय के लिए उत्तर से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने तथा धीरे-धीरे शुक्रवार 12 मई तक भीषण चक्रवाती तूफान में बदलकर दक्षिण पूर्व और बंगाल की खाड़ी मध्यवर्ती इलाके में पहुंचने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार खाड़ी के ऊपर बन रहा दबाव धीरे-धीरे उत्तर से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने के आसार हैं और यह चक्रवातीय तूफान 13 मई से थोड़ा कमजोर होने के साथ-साथ 14 मई को दक्षिण-पूर्व बांग्लादेश और उत्तरी म्यांमार को पार करने के अनुमान हैं। मौसम विभाग ने इस दौरान अधिकतम हवा की गति 110-120 किमी से 130 किमी प्रति घंटा रहने की चेतावनी दी है।

मौसम विभाग के अनुसार चक्रवात के प्रभाव के कारण अगले दो दिनों तक दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा अंडमान सागर में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के आसार हैं। इस दौरान मछुआरों और छोटे जहाजों, नावों और ट्रॉलरों के संचालकों को दक्षिण-पूर्व और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

14 मई को बांग्लादेश-म्यांमार तटों के आसपास भूस्खलन की चेतावनी

अगर तेज हवाएं चक्रवातीय तूफान में बदलती हैं, तो इसे यमन द्वारा दिए गए मोचा नाम से जाना जाएगा, जो लाल सागर तट पर स्थित यमन का शहर मोचा (मोखा) से लिया गया है। मौसम अधिकारियों ने बंगाल की पूर्व-मध्य खाड़ी और उत्तर अंडमान सागर में जाने वाले लोगों को वहां से तत्काल लौटने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि चक्रवातीय तूफान के दौरान 11 मई तक खाड़ी द्वीपों में भारी वर्षा होने और 12 मई तक उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने के आसार हैं। इसके अलावा मौसम विभाग ने 14 मई को बांग्लादेश-म्यांमार तटों के आसपास भूस्खलन की चेतावनी दी है।

नीतीश कुमार के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है हेमंत सोरेन का साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रांची (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ?लिए हेमंत सोरेन का साथ नुकसानदेह सा?बित हो सकता है। हालां?कि नी?तीश कुमार वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों को एकजुट करने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के साथ साझा प्रेस कांफ्रेंस कर वे काफी प्रसन्न नजर आएं। इससे नीतीश कुमार को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख विपक्षी नेता के रूप में अपनी छवि बनाने में जरूर एक और बड़ी सफलता मिली। लेकिन बिहार की राजनीति में निजी तौर पर सीएम नीतीश कुमार के लिए यह नुकसानदेह साबित हो सकता है। गौरतलब है ?कि झारखंड के विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में बिहार के लोग रहते हैं। उन्हें उम्मीद थी कि भाषा का मुद्दा हो या नियोजन और स्थानीयता का मसला हो, जरूरत पड़ने पर बिहार के सीएम के रूप में नीतीश कुमार उनके पक्ष में आवाज जरूरत उठाएंगे। लेकिन जिस तरह से नीतीश कुमार ने हेमंत सोरेन से सिर्फ विपक्षी एकता के मुद्दे पर चर्चा की, उससे उनके समर्थकों में हैरानी के साथ निराशा भी है।

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन और उनकी पूरी पार्टी की राजनीतिक बुनियाद आदिवासी और मूलवासियों के इर्द-गिर्द केंद्रित रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के चुनावी घोषणा पत्र में भी 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति बनाने का वादा किया गया। हेमंत सोरेन से लेकर उनकी पार्टी के तमाम छोटे-बड़े कई नेता भाषा, स्थानीय नीति और नियोजन नीति को लेकर विवादित बयान देते रहे हैं। यही कारण है कि जेएमएम को उन क्षेत्रों में काफी कम समर्थन मिलता है, जिस इलाके में आदिवासी और मूलवासियों की संख्या कम हो। झारखंडी और गैर झारखंडी की भावना को उभारते हुए समय-समय पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी विवादित बयान देते रहे हैं।

हालां?कि सीएम हेमंत सोरेन को राज्य के बिहारीकरण की भी चिंता सताती रही हैं। कुछ वर्ष पहले उन्होंने कहा था कि झारखंड आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों की छाती पर पैर रखकर और महिलाओं की इज्जत लूटते वक्त भोजपुरी भाषा में ही गाली दी जाती थी। उन्होंने कहा कि ट्राइबल ने झारखंड अलग राज्य की लड़ाई अपनी रिजनल लैग्वेज की बदौलत लड़ी है, न कि भोजपुरी और हिन्दी भाषा की बदौलत। एक इंटरव्यू में हेमंत सोरेन ने कहा था कि मगही और भोजपुरी रिजनल लैग्वेंज न होकर बाहरी लैग्वेंज हैं। हेमंत सोरेन के सीएम बनने के बाद झारखंड भाषा विवाद

की आग में भी झुलसा। राज्य सरकार की ओर से 24 दिसंबर 2021 को जिला स्तरीय पदों के लिए जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं की सूची जारी की। इस सूची में कई जिलों में भोजपुरी, मगही और मैथिली भाषा शामिल करने और हटाने के मसले को लेकर कई महीने तक आंदोलन चला।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

पाक की युवती को दिल्ली पुलिस ने दिया जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान की एक युवती की उस समय बोलती बंद कर दी, जब वह ट्वीट कर भारत के प्रधानमंत्री और भारतीय खुफिया एजेंसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रही थी। दरअसल, युवती ने ट्वीट कर पूछा था कि किसी के पास दिल्ली पुलिस का ऑनलाइन लिंक हो तो उसे उपलब्ध कराएं क्योंकि वह भारत के प्रधानमंत्री और भारतीय खुफिया एजेंसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाना चाहती है। उसका कहना था कि पाकिस्तान में आजकल जो हालात चल रहे हैं, उसके लिए प्रधानमंत्री और खुफिया एजेंसी ही जिम्मेदार है।

पाकिस्तानी युवती ने लिखा कि अगर भारत का सुप्रीम कोर्ट स्वतंत्र है तो वह उसे न्याय जरूर देगा। इस पर दिल्ली पुलिस ने ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा कि हमें डर है कि अभी तक पाकिस्तान में हमारा जूरिडिक्शन नहीं है। आगे दिल्ली पुलिस ने लिखा- वैसे हम यह जानना चाहते हैं कि जब आपके देश में इंटरनेट बंद कर दी गई है तो आप ट्वीट कहां से कर रही हैं? दिल्ली पुलिस के इस जवाब के बाद पाकिस्तानी युवती ने कोई जवाब नहीं दिया। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी युवती सहर शिनवारी ने अपने ट्विटर प्रोफाइल पर खुद को एक्टर और सोशल एक्टिविस्ट बताया है। वह एक यूट्यूबर भी हैं।

देश में पहला प्रयोग, ग्रेटर नोएडा से खून की 10 बोतल लेकर दिल्ली पहुंचा ड्रोन

नई दिल्ली। देश में पहली बार उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से रक्त की 10 बोतलें लेकर एक विशेष ड्रोन सफलता पूर्वक नयी दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज पहुंचा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यहां बताया कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने आईड्रोन योजना के तहत ड्रोन से रक्त बोतल की आपूर्ति करने का

सफलतापूर्वक परीक्षण किया। नयी दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और ग्रेटर नोएडा के गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के बीच देश में पहली बार रक्त बोतल पहुंचायी गयी। इसमें रक्त की 10 बोतलें शामिल थी।

इससे पहले आरसीएमआर ने ड्रोन के माध्यम से मणिपुर और नागालैंड के दूरदराज के क्षेत्रों में चिकित्सा आपूर्ति, टीके और दवाओं के वितरण का सफलतापूर्वक संचालन किया है। आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा कि इस आईड्रोन का उपयोग पहली कोविड महामारी के दौरान दुर्गम क्षेत्रों में टीकों के वितरण के लिए किया गया था। आज हम रक्त और रक्त से संबंधित उत्पादों का परिवहन कर रहे हैं, जिन्हें कम तापमान पर रखा जाना चाहिए। बाद में इसका प्रयोग पूरे देश में किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में मतदान करने आई महिला को रोडवेज बस ने रौंदा, मौके पर मौत

ग्रेटर नोएडा। थाना दादरी क्षेत्रांतर्गत मिहिर भोज इंटर कॉलेज के सामने वोट डालने जा रही महिला का रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। जिससे महिला की मौके पर ही मृत्यु हो गयी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और बस को कब्जे में लेकर बस ड्राइवर को हिरासत में ले लिया

गया है। अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। सुनीता नामक महिला के शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया गया है। मीडिया सेल के प्रभारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि महिला मतदान करने जा रही था।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने कहा यूनिफॉर्म पहनने के बाद जातिधर्म सब एक हो जाता है

नई दिल्ली। झरौदा कलां में आयोजित पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने कहा कि पुलिस की वर्दी पहनने के बाद सबकी जाति-धर्म एक हो जाती है और पुलिसकर्मी के लिए उसका यूनिफॉर्म ही सबकुछ होता है। यूपीएससी कंप्लीट करने के बाद ट्रेनिंग पूरी करके विधिवत रूप से दानिप्स के आठ पुलिस ऑफिसर पासिंग आउट परेड के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के रूप में शामिल हुए हैं।

इन पुलिसकर्मियों को झरौदा कलां स्थित दिल्ली पुलिस एकेडमी कैंपस में डायरेक्टर विजय सिंह ने शपथ दिलाई। वहीं दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने स्पेशल पुलिस कमिश्नर मुकेश मीणा के साथ सलामी ली। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने दिल्ली पुलिस में एसीपी के रूप में शामिल हुए अफसरों को संबोधित

करते हुए कहा कि वह ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारी को निभाने की कोशिश करने के साथ बिना किसी भेदभाव के काम करें। एसीपी के नीचे सिपाही से लेकर एसएचओ तक कैसे काम करते हैं, इसकी उन्हें फील्ड में पूरी जानकारी मिलेगी. वह अपने शपथ के अनुरूप आगे कार्य करें। इस बीच स्पेशल पुलिस कमिश्नर मुकेश मीणा ने बताया कि दिल्ली पुलिस एकेडमी में ट्रेनिंग समय-समय पर और अच्छी होती जा रही है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह से बेहतर स्ट्रक्चर और नए सिस्टम के तहत कॉन्स्टेबल से लेकर दानिप्स अफसरों तक को ट्रेन किया जा रहा है।कार्यक्रम में स्पेशल पुलिस कमिश्नर दीपेंद्र पाठक, आर.एस. कृष्णय्या, शालिनी सिंह, रॉबिन हिब्बू, डॉ. सगरप्रित सिंह हुड्डा और डीसीपी एम. हर्षवर्धन सहित कई ज्वाइंट कमिश्नर, डीसीपी, एसीपी व अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान एसीपी धीरज कुमार को बेस्ट ऑलराउंडर (इंडोर) की ट्रॉफी दी गई, जबकि आदित्य कुमार को बेस्ट ऑलराउंडर (आउटडोर) के लिए फर्स्ट प्राइज दिया गया।

अपने सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य सुविधा सुगम बनाएगी दिल्ली एम्स

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (दिल्ली एम्स) अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य सुविधा को सुगम बनाने की पहल में जुटी है। एम्स की ओर से प्रयास किया जा रहा है कि दिल्ली से दूर रहने वाले एम्स के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को छह महीने की दवा एक बार में उपलब्ध कराया जाए। जिससे उन्हें बार-बार अस्पताल के चक्कर न लगाने पड़े।

एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास ने अस्पताल के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि दिल्ली से बाहर रहने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके घर पर ही दवा उपलब्ध कराने के बारे में विचार किया जाए। डॉ. एम श्रीनिवास ने यह भी कहा कि उनके इलाज के लिए टेली कंसल्टेंसी की सुविधा शुरु करने पर विचार किया जाए। उल्लेखनीय है कि डॉक्टर श्रीनिवास ने एम्स के अधिकारियों से कहा कि वह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से बातचीत कर एम्स के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सीजीएचएस (केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना) से जोड़ने की व्यवस्था करें । जिससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके घर के पास के सीजीएचएस के पैनल में शामिल अस्पताल में इलाज मिल सके।

मुख्यमंत्री ने एग्रीगेटर्स व डिलीवरी सर्विस प्रोवाइडर्स को रेगुलेट करने के लिए पॉलिसी को दी मंजूरी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में एग्रीगेटर्स व डिलीवरी सर्विस प्रोवाइडर्स को रेगुलेट करने के लिए योजना के मसौदे को मंजूरी दे दी। मसौदे को मंजूरी मोटर व्हीकल्स एग्रीगेटर स्कीम 2023 के अंतर्गत दी गई है। मसौदा योजना की फाइल एलजी वीके सक्सेना के पास भेज दी गई है। इसके बाद दिल्ली परिवहन विभाग दिल्लीवासियों से उनके फीडबैक लेगा और इसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

दिल्ली मोटर व्हीकल्स एग्रीगेटर स्कीम 2023 को मंजूरी देते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह स्कीम दिल्ली में एग्रीगेटर्स और डिलीवरी सर्विस प्रदाताओं को एक नियम के दायरे में लाकर रेगुलेट करने की नींव रखती है। यह योजना यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देती है और समय पर शिकायत के निस्तारण को सुनिश्चित करती है। साथ ही लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए बढ़ावा देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों और इलेक्ट्रिक बाइक टैक्सी को बढ़ावा देने से सरकार को दिल्ली में प्रदूषण स्तर को कम करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही दिल्ली में रोजगार और आर्थिक विकास के नए अवसर भी पैदा होंगे।

मोटर व्हीकल्स एग्रीगेटर स्कीम 2023 उस व्यक्ति और संस्था पर लागू होगी, जो किसी भी तरह के डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक या अन्य माध्यम से संचालित होती हैं और यात्रियों को लाने-ले जाने का काम करती है। इसी के साथ वो ई-कॉमर्स इकाई या अन्य संस्था भी इस योजना

के दायरे में आएंगी, जो कोई भी उत्पाद, कूरियर, पैकेज या पार्सल को भेजने के लिए डिलीवरी सेवा का इस्तेमाल करती हैं। केजरीवाल ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही कैब एग्रीगेटरों की सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। इसके अंतर्गत आपदा की स्थिति के मद्देनजर एग्रीगेटर्स को वाहन में पैनिक बटन लगाना होगा और इसे 112 (दिल्ली पुलिस) के साथ जोड़ना होगा।

इस योजना में उपभोक्ताओं की शिकायत का समय पर निस्तारण करने पर बल दिया गया है। साथ ही वाहन की फिटनेस, प्रदूषण नियंत्रण और परमिट की वैधता सुनिश्चित करने के लिए भी एक सिस्टम बनाया जाएगा। यह योजना बाइक टैक्सी और किराए की बाइक सर्विस को एक नियम के दायरे में लाने की नींव भी रखती है। क्योंकि दिल्ली में आज तक बाइक-टैक्सियों के संचालन की अनुमति नहीं थी। इसलिए यह योजना शहर में ऐसी सेवाओं को रेगुलेट करने का प्रावधान करती है। दिल्ली में व्यापार के नए अवसर प्रदान करने के लिए इस योजना के तहत शहर में सभी बाइक-टैक्सी और दोपहिया वाहनों को किराए पर लेने की सर्विस शुरू की जाएगी, लेकिन इसमें केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को ही शामिल किया जाएगा। यह प्रावधान दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2020 के अनुरूप होगा। इधर दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत का कहना है कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली मोटर व्हीकल्स एग्रीगेटर स्कीम के साथ आज एक और उपलब्धि हासिल की है। भारत में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब दिल्ली सरकार, दिल्ली में एग्रीगेटर को अपनी फ्लीट को इलेक्ट्रिक में परिवर्तित करने के लिए एक टारगेट दे रही है। साथ ही, सरकार दिल्ली में एग्रीगेटर्स और डिलीवरी सर्विस प्रोवाइडर्स को रेगुलेट करने जा रही है। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन का ऐसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है, जिससे प्रदूषण को कम करने के साथ ही यात्रियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

जंतर-मंतर पर पहलवानों के समर्थन में पहुंच रहे लोगों के लिए लंगर शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरना प्रदर्शन का 18वां दिन है। अब जंतर-मंतर पर भीड़ भी कम हो गई है। दूसरी तरफ पंजाब से आ रहे लोगों का समर्थन जंतर-मंतर पर पहलवानों को लगातार मिल रहा है। पहलवानों ने इस लड़ाई को लंबा लड़ने की तैयारी कर ली है। पहलवानों की तरफ से साफ कहा जा रहा है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलता तब तक वह धरना स्थल से नहीं हटेंगे। दूसरी तरफ जंतर-मंतर पर खाने-पीने का इंतजाम भी अब होने लगा है। पहले खाना बाहर से आ रहा था, लेकिन अब खाना-पीना यहीं पर बन रहा है। जंतर-मंतर पर लंगर शुरू कर दिया गया है। जिस तरह किसानों ने स्थाई रूप से बॉर्डर पर कब्जा करके धरना प्रदर्शन किया था। ठीक उसी प्रकार अब जंतर-मंतर पर भी देखने को मिल रहा है। पहलवानों की तरफ

से कहा जा रहा है कि जब तक हमें न्याय नहीं मिलता हम यहीं डटे रहेंगे। राजनीतिक दलों का भी यहां पर पहुंचने का सिलसिला जारी है और इन्हें समर्थन भी दिया जा रहा है। पहलवानों का कहना है कि हमारी लड़ाई सिर्फ बृजभूषण शरण सिंह से है। हमारी सरकार से कोई लड़ाई नहीं है।

नोएडा में पैसे मांगने पर बिल्डर कंपनी के लोगों ने पिता-पुत्र को पीटा

नोएडा। पैसे मांगने पर एसएस कंस्ट्रक्शन बिल्डर कंपनी के आधा दर्जन लोगों ने पिता-पुत्र के साथ मारपीट कर दी।

थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि अर्जुन सिंह पुत्र विजय कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके साथ सौरव शर्मा, विजय पाल सिंह संजय सिंह तथा चार पांच अज्ञात लोगों ने मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने एसएस कंस्ट्रक्शन जिनका गुलिस्ता इंडस्ट्रियल एरिया सूरजपुर में एक प्रोजेक्ट है, वहां पर लाखों रुपए का लोहे के गेट ग्रिल का काम किया। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने लाखों रुपए के काम करवाने के बाद उसका पेमेंट नहीं दिया, जब वह पेमेंट मांगने गया तो एक चेक दिया गया, जो कि बाउंस हो गया। इस बाबत उन्होंने कोर्ट में शिकायत की है। आरोपियों ने उन्हें पैसे देने के बहाने सूरजपुर थाना क्षेत्र में बुलाया तथा उनके तथा उसके बेटे के साथ मारपीट की। थाना प्रभारी ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली पुलिस ने जीएसटी इंस्पेक्टर से ठगी करने वाले मेवात के साइबर ठगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जीएसटी इंस्पेक्टर से एक लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोप में मेवात से बीएससी स्नातक सहित दो साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है, एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि ठगों ने पीड़ित का रिश्तेदार बनकर उसे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने के लिए राजी किया, यह दावा करते हुए कि एलआईसी फंड जमा करने के लिए जरुरत है। आरोपियों की पहचान सबलगढ़, मध्य प्रदेश निवासी राघवेंद्र शर्मा (22) और राजस्थान के भिवाड़ी निवासी सुरेंद्र (27) के रूप में हुई है, जो गिरफ्तारी से बचने के लिए मेवात क्षेत्र की हरियाणा और राजस्थान सीमा से काम कर रहे थे।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (उत्तर), सागर सिंह कलसी ने कहा कि साइबर नॉर्थ पुलिस स्टेशन में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें बुराड़ी निवासी शिकायतकर्ता किशन भारद्वाज ने कहा कि किसी ने उनके साथ 1,45,000 रुपये की धोखाधड़ी की,

कथित व्यक्ति ने उनका रिश्तेदार बनकर एलआईसी फंड भेजने के बहाने उनके खातों से पैसे ट्रांसफर करवाए।जांच के दौरान, मनी ट्रेल के तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से, यह पता चला कि धोखाधड़ी की कुल राशि में से 95,000 रुपये एक्सिस बैंक के खाते में स्थानांतरित कर दिए गए थे, जो मुरैना (मध्य प्रदेश) में एक पते पर पंजीकृत था, और मेवात क्षेत्र में एटीएम के माध्यम से पैसा निकाला जा रहा था।

डीसीपी ने कहा- साथ ही, कथित मोबाइल नंबर की कॉलिंग लोकेशन मेवात क्षेत्र में थी। आरोपी ने अधिकांश पैसे अलग-अलग एटीएम से निकाले। खाते से जुड़े मोबाइल फोन का विवरण लिया गया और मोबाइल फोन को निगरानी में रखा गया था। थोड़ी देर बाद आरोपी राघवेंद्र और सुरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई।

पूछताछ करने पर पता चला कि राघवेंद्र पहले बैंगलोर में काम करता था, लेकिन बेहतर जीवन की तलाश में राजस्थान आ गया, जहां उसने सह-आरोपी सुरेंद्र के साथ मेवात क्षेत्र के साइबर अपराधियों के लिए सिम कार्ड और बैंक खातों की व्यवस्था करना शुरू कर दिया।

अधिकारी ने कहा- आरोपियों में से किसी का भी राजस्थान में कोई स्थायी निवास नहीं है। उनसे पूछताछ में खुलासा हुआ कि वे मेवात के अपने सहयोगी तौफीक को बैंक खाते और सिम कार्ड मुहैया कराते थे जो फिलहाल फरार है।

उन्होंने आगे खुलासा किया कि अब तक उन्होंने अपने सहयोगियों को 30 सिम कार्ड और 20 बैंक खातों की व्यवस्था की है, जिनका इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी करने के लिए किया जा रहा था। डीसीपी ने कहा, मामले में फरार आरोपी की और तलाश की जा रही है और उसे जल्द से जल्द पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

नोएडा में मानसिक तनाव में पांच ने की आत्महत्या, 24 घंटे में छात्रा समेत 5 हार गए ज़िन्दगी

नोएडा। औद्योगिक शहर नोएडा में बीते कुछ माह में दो दर्जन से अधिक लोगों ने आत्महत्या की। शहर में जिस तरीके से लोगों में आत्महत्या का प्रचलन बढ़ रहा है वह अब चिंता का विषय बन गया है। मनोवैज्ञानिकों की मानें तो छोटी-छोटी बातों को लेकर लोग मानसिक तनाव में आ रहे हैं।जिनके अंदर तनाव को सहन करने की क्षमता कमजोर हो रही है और वह आत्महत्या जैसा कदम उठा रहे हैं। नोएडा में बीते 24 घंटे के दौरान विभिन्न जगहों पर रहने वाले 4 महिलाओं सहित 5 लोगों ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर ली। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि थाना बिसरख क्षेत्र के चिपयाना गांव के जंगल में मोहित यादव पुत्र सुरेंद्र यादव उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम बम्हेटा गाजियाबाद का शव

एक पेड़ की डाल से फंदे से लटका हुआ मिला। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मृतक के परिजनों से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उन्होंने आत्महत्या क्यों किया है। उन्होंने बताया कि थाना दनकौर क्षेत्र कैमूर चुहड़पुर गांव में रहने वाली श्रीमती पूनम पत्नी सोमपाल ने रात को मानसिक तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। अत्यंत गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।उन्होंने बताया कि थाना फेस-2 क्षेत्र में रहने वाली लवली खातून उम्र 15 वर्ष ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि थाना नॉलेज पार्क-तीन क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान में काम करने वाली मजदूर महिला श्रीमती लक्ष्मी उम्र 52 वर्ष में मानसिक तनाव के चलते पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि थाना बादलपुर क्षेत्र में रहने वाली हेमा पुत्री ओम प्रकाश उम्र 20 वर्ष में मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर आज सुबह को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। वह सूर्य सिटी कॉलोनी छपरौला में रहती थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लावारिस कुत्तों की समस्या के समाधान पर चल रही बैठक में जमकर घमासान, दो महिलाएं भिड़ीं, चांटे चले

नई दिल्ली। राजधानी में लावारिस कुत्तों की समस्या का समाधान निकालने के लिए कांस्टीट्यूशन क्लब में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल की तरफ से बुलाई गई बैठक में बुधवार शाम जमकर घमासान हुआ। आयोजन स्थल पर पशु प्रेमियों के एक समूह की महिला ने माइक छीनकर बोलने की कोशिश की। इसका विरोध करने पर दोनों तरफ से कहासुनी शुरू हो गई। देखते-देखते दोनों गुट एक दूसरे से गुत्थम-गुत्था हो गए। इसी बीच समस्या के समाधान के लिए तैयार मसौदे को भी एक शख्स ने फाड़ दिया। हालात इस कदर बेकाबू हुए कि दोनों तरफ की दो महिलाओं ने एक-दूसरे को थप्पड़ भी जड़ दिए। हंगामा बढ़ने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बीचबचाव कर लोगों को शांत किया। विजय गोयल ने लोक अभियान संस्था की तरफ से आरडब्ल्यूए की बैठक बुलाई थी। इसमें दिल्ली-एनसीआर समेत बंगलूरू, मुंबई व देश के दूसरे हिस्सों से प्रतिनिधि हिस्सा लेने पहुंचे थे। बैठक में लावारिस कुत्तों के लगातार काटने की समस्या पर सार्थक बहस होनी थी। इसके बाद एक मसौदा तैयार करना था कि नगर निगम समेत अन्य पशु प्रेमी संस्थाओं को अवगत कराया जा सके कि कुत्तों के आतंक से बच्चे और बुजुर्ग पार्क में जाने से कतरा रहे हैं।

कई ऐसे वायरल वीडियो भी दिखाए गए जिसमें कुत्ते बच्चों पर हमला कर रहे हैं। समस्या पर टीम चर्चा करने लगी तो क्लब के दूसरे हॉल में पशु प्रेमियों का भी जमावड़ा था। सूचना पाकर इसमें से कुछ लोग समाधान मंच की तरफ बढ़ गए। मौके पर पहुंचकर कुछ पशु प्रेमी मंच पर चढ़ गए और विजय गोयल से माइक छीनने लगे। पशु प्रेमियों का कहना था कि इस तरह की चर्चा उचित नहीं है। धीरे-धीरे हंगामा बढ़ता गया। इसी बीच एक शख्स ने तैश में आकर समाधान मसौदे को फाड़कर फेंक दिया। बीचबचाव करने पहुंची महिलाओं से दूसरे गुट की महिलाएं उलझ गईं। दोनों तरफ की महिलाओं ने एक-दूसरे को थप्पड़ मार दिए। इसके बाद पूरे हॉल में जमकर हंगामा शुरू हो गया। पुलिस के आने के बाद ही मामला शांत हुआ और कुत्तों के काटने की घटना पर चर्चा हो सकी। डीसीपी, नई दिल्ली प्रणव तायल का कहना है कि पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है। बैठक में मामूली झगड़ा हुआ था। इसे शांत करवा दिया गया है। अगर कोई पक्ष मामले की शिकायत करता है तो जांच होगी। विजय गोयल ने बताया कि उन्होंने स्पीकर हॉल बुक करवाया था। बाद में उन्हें यह जानकारी मिली कि सांसद मेनका गांधी ने भी उसी समय पर बगल का डिप्टी स्पीकर हॉल बुक करवा दिया।